घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 325- रविवार 27- सितम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संक्षिप्त समाचार

चारधाम यात्रा स्थगित : लगातार बारिश गढ़वाल आयुक्त के आदेश के बाद ग्रीन व ट्रिप कार्ड का काम भी रोका गया

देहरादून,26 सितम्बर 2026। पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप की ओर से चारधाम यात्रा को रविवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। वहीं, गढ़वाल आयुक्त के आदेश मिलने के बाद एआरटीओ कार्यालय में भी ग्रीनकार्ड और ट्रिप कार्ड का काम रोक दिया गया है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए गढ़वाल आयुक्त चारधाम यात्रा प्रबंधन व नियंत्रण संगठन, गढ़वाल मंडल की ओर से मौसम विज्ञान केंद्र से प्राप्त मौसम संबंधी सूचना का संज्ञान लेते हुए शनिवार दोपहर से आज रविवार तक यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। सूचना मिलने के बाद एआरटीओ कार्यालय में ग्रीन कार्ड ट्रिप का काम रोक दिया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ऋषिकेश रावत सिंह कटारिया ने बताया कि आदेश मिलने के बाद यात्रा रोक दी गई है।

बंगाल के मदरसों में वंदे मातरम अनिवार्य... सीएम शुभेंदु बोले-घुसपैठियों को खदेड़ेंगे

कोलकाता,26 सितम्बर 2026। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के स्कूलों और पंजीकृत मदरसों में वंदे मातरम का गायन अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने यह बात कोलकाता स्थित नेशनल लाइब्रेरी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। सीएम अधिकारी ने कहा कि इसे स्कूलों और पंजीकृत मदरसों में गाना जरूरी होगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पिछली ममता बनर्जी सरकार पर कई आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने राज्य में घुसपैठियों को आने दिया, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी बदल गई।

विवाद के बीच चुनाव आयोग की बड़ी बैठक...एसआईआर प्रक्रिया में राहत और दिल्ली-महाराष्ट्र में बढ़ी समय सीमा

एसआईआर में नाम कटा,तो घर जाकर दस्तावेज लेंगे अफसर

नोटिस पाने वाले मतदाताओं को अब अनिवार्य रूप से अधिकारी के समक्ष उपस्थित नहीं होना होगा...

बूथ स्तर के अधिकारी घर जाकर जुटाएंगे दस्तावेज,ईसीआईनेट व्यवस्था की समीक्षा के निर्देश

नई दिल्ली,26 सितम्बर 2026। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले किए हैं। आयोग ने कहा है कि एसआईआर के दौरान जिन लोगों को जानकारी उपलब्ध न होने या तार्किक विसंगतियों के कारण नोटिस जारी किए गए हैं, उनके मामलों में बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) घर जाकर आवश्यक दस्तावेज एकत्र करेंगे। इसके बाद दस्तावेजों को निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के निर्णय के लिए ईसीआईनेट पर अपलोड किया जाएगा। ऐसे मतदाताओं को सामान्य परिस्थितियों में सुनवाई के लिए ईआरओ या सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) के कार्यालय नहीं बुलाया जाएगा। आयोग के अनुसार,केवल असाधारण परिस्थितियों में,ईआरओ के निर्णय के आधार पर ऑनलाइन सुनवाई की जाएगी। जरूरत पडने पर मतदाता अपने परिवार के किसी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से सुनवाई में शामिल होने के लिए अधिकृत कर सकता है। आयोग ने ऑनलाइन सुनवाई की सुविधाओं को भी मजबूत करने का निर्णय लिया है। जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) को जरूरत के अनुसार रात्रि आश्रय गृहों, श्रमिकों, गरीबों और बेघर लोगों सहित अन्य जरूरतमंद वर्गों के लिए पर्याप्त संख्या में सहायता केंद्र स्थापित करने तथा विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि एसआईआर के लिए फॉर्म-6 के साथ संलग्न घोषणा-पत्र को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है। गैर-एसआईआर अवधि में मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के अनुसार संबंधित प्रपत्र का इस्तेमाल किया जाएगा।द्व निर्वाचन आयोग ने ईसीआईनेट प्रणाली को लेकर भी महत्वपूर्ण फैसला किया है। आयोग के अनुसार, क्षेत्रीय अधिकारियों को उनकी वैधानिक शक्तियों के अनुरूप ईसीआईनेट तक भूमिका आधारित पहुंच प्राप्त है। अब वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति ईसीआईनेट की समीक्षा करेगी। इसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) या भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) का एक स्वतंत्र विशेषज्ञ भी शामिल होगा। समिति यह जांच करेगी कि ईसीआईनेट प्रणाली संबंधित कानूनों और नियमों के प्रावधानों के अनुरूप काम कर रही है या नहीं और अपनी रिपोर्ट आयोग को सौंपेगी। आयोग ने कहा कि राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से पिछले कुछ महीनों में मिले सुझावों के आधार पर पोर्टल में पहले ही कई सुधार किए जा चुके हैं। आगे किसी अतिरिक्त सुविधा की आवश्यकता होने पर उसे भी लागू किया जाएगा। आयोग ने यह भी तय किया है कि सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े नए मॉड्यूल और पोर्टलों की पहल को मंजूरी दिए जाने से पहले अधिकारियों की समिति में चर्चा की जाएगी।

दिल्ली-महाराष्ट्र में 30 अक्टूबर तक क्लेम कर सकेंगे...

बैठक में फैसला लिया गया कि दिल्ली,महाराष्ट्र में क्लेम और ऑब्जेक्शन दाखिल करने की तारीख 30 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। दिल्ली में विवाद का निपटारा 30 नवंबर और महाराष्ट्र में निपटारा 10 नवंबर तक करना होगा। गोवा में जिन वोटर्स का नाम छूट गया है, वहां ब्लॉक अफसर घर-घर जाकर फॉर्म-6 कलेक्ट करेगा। एसआईआर में अगर आपका नाम लिस्ट में नहीं है या छूट गया है तो फॉर्म-6 के जरिए नाम शामिल कराने का दावा किया जाता है। आयोग ने कहा कि फॉर्म-6 पर कोई विवाद है ही नहीं। फॉर्म-6 को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है।

रिपोर्ट पर कहा- चुनाव आयुक्तों के लेटर एसआईआर पर नहीं थे...

पूरा विवाद द इंडियन एक्सप्रेस की जिस रिपोर्ट से शुरू हुआ,चुनाव आयोग ने उस पर भी सफाई दी। आयोग ने कहा कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कैबिनेट सचिव को जो लेटर भेजा था, वह एसआईआर या चुनाव आयोग के किसी फैसले से जुड़ा नहीं था,बल्कि चुनाव पैनल में आए एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित था। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति के बीच श्श्ष्ट ने कैबिनेट सचिव को लेटर लिखा है।

चुनाव आयुक्त पर ममता का तंज-वे ज्ञानेश नहीं,गायब कुमार,वोटर्स के नाम काटे,उन्हें जाना होगा,राहुल का आरोप...चुनावों में फिक्सिंग की...

एसआईआर विवाद और चुनाव आयोग में आयुक्तों के बीच मतभेद के सामने आने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त लगातार विपक्ष के निशाने पर हैं। पूर्व बंगाल छ्श्रूममता बनर्जी ने उन्हें 'वैनिश' कुमार यानी गायब कुमार कह दिया है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से वोटरों के नाम 'गायब' करने का आरोप लगाया। हुगली में शनिवार को पार्टी की रैली के दौरान ममता ने मांग की है कि ज्ञानेश को जाना होगा, जब तक यह मुद्दा हल नहीं हो जाता, पार्टी उनका विरोध करती रहेगी। ममता की पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा है कि सिर्फ 'कॉकरोच जनता पार्टी' ही ज्ञानेश कुमार को हटा सकती है।

उत्तर प्रदेश में बारिश और आंधी-तूफान का कहर...15 लोगों की मौत,117 मकान ढहे

लखनऊ,26 सितम्बर 2026। उत्तर प्रदेश में पिछले करीब 48 घंटे से जारी बारिश और आंधी-तूफान के चलते विभिन्न हादसों में करीब 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 117 कच्चे एवं जर्जर मकान गिर गए। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि प्रदेश में पिछले 48 घंटों से जारी भारी बारिश एवं प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए राहत एवं बचाव कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है। शनिवार को प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 48 घंटों में अतिवृष्टि एवं आंधी-तूफान के कारण प्रदेश में 15 जनहानि, 04 पशुहानि तथा 117 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त 05 व्यक्ति घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 63 जनपदों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है। पूरे प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान सामान्य से 19 गुना अधिक बारिश हुई है। फर्रुखाबाद में सामान्य से कई गुना अधिक, कानपुर नगर तथा कन्नौज, कानपुर देहात एवं हरदोई में भी कई गुना अधिक बारिश दर्ज की गई है। भदोही, देवरिया एवं अलीगढ़ में सामान्य बारिश हुई है,जबकि गाजीपुर में सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। बागपत,गाजियाबाद, मथुरा,मुजफ्फरनगर,सहारनपुर,शामली, गौतमबुद्धनगर एवं हापुड़ में बारिश नहीं हुई है। राहत आयुक्त के मुताबिक,प्रदेश में जनहानि के मामलों में अमेठी,बहराइच,बांदा, बाराबंकी, बस्ती,फतेहपुर,हमीरपुर,हरदोई एवं कानपुर नगर में 01-01, अयोध्या में 02 तथा लखीमपुर खीरी में 04 जनहानियां हुई हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में नीमगांव क्षेत्र के रहमतपुर गांव में बारिश के दौरान कच्चा मकान गिरने से पति-पत्नी और उनके बेटे की मलबे में दबकर मौत हो गई। ग्रामीणों ने मलबा हटाकर तीनों के शव निकाले। हमीरपुर जिले के सरीला तहसील के जलालपुर थाना क्षेत्र के भेड़ी डांडा गांव में शनिवार को पुराने मकान की छत अचानक भरभराकर गिरने से मलबे में दबकर करीब 60 वर्षीय महिला की मौत हो गई। बहराइच के कैसरगंज क्षेत्र में छप्पर गिरने से अधेड़ महिला की मौत हो गई। संतकबीरनगर में तेज बारिश के दौरान पेड़ गिरने से बाइक सवार 45 वर्षीय व्यक्ति की जान चली गई।

बहराइच में पांच की मौते

तूफानी हवाओं के साथ हुई भारी बारिश में कई मकान और पेड़ गिर गए। चार लोगों की मौत के साथ दीवार गिरने से एक बच्चे की भी जान गई। कैसरगंज तहसील क्षेत्र में दो, नानपारा में एक और बहराइच कोतवाली देहात क्षेत्र में रिक्रूट सिपाही समेत चार लोगों की मौत हुई। सड़क पर गिरे पेड़ और पोल से टकराने से भी हादसे हुए। हजारों पेड़ गिरने से पूरे जिले में बिजली ठप है और ब्लैकआउट जैसे हालात हैं।

सीतापुर में चार की मौत

हरगांव और महमूदाबाद में बारिश के बीच कच्ची दीवार गिरने से अलग-अलग हादसों में बुजुर्ग और बच्चों समेत चार लोगों की मौत हुई। लगातार बारिश से कच्चे मकानों पर खतरा बना हुआ है।

नागालैंड में जहरीली शराब से 2 दिन में 19 मौतें...

19 गिरफ्तार,छापेमारी में 3000 बोतलें जब्त

कोहिमा,26 सितम्बर 2026। नगालैंड में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत हो गई। पिछले दो दिनों में मोकोकचुंग जिले में 8 और तुएनसांग जिले में 11 मौतें हुई हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीने के बाद कुछ लोगों को सांस लेने में तकलीफ हुई और बाद में उनकी मौत हो गई। मौतों के बाद पुलिस ने कई जगह छापेमारी की। इस कार्रवाई में 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया और करीब 3,000 शराब की बोतलें जब्त की गईं। पुलिस ने जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई है। शराब के सैंपल फोरेंसिक जांच के लिए गुवाहाटी भेजे गए हैं। राज्य में 1990 से शराबबंदी कानून लागू है।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम शराब बेचने वालों की जांच करेगी

पुलिस के मुताबिक, मौतें जहरीली शराब पीने के बाद होने की आशंका है। फोरेंसिक जांच से मौत की सही वजह पता चलेगी। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम मौतों के साथ जहरीली शराब बेचने वालों और सप्लाई चेन की भी जांच करेगी। मामले में कुछ सुराग मिले हैं। पुलिस ने लोगों से बिना लेबल या संदिग्ध शराब न पीने और तबीयत बिगड़ने पर तुरंत इलाज कराने की अपील की है। इससे पहले तुएनसांग जिले में जहरीली शराब पीने से तीन दिन में नौ लोगों की मौत हो गई,जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य भी शामिल हैं। घटनाओं की जानकारी मिलने के बाद तुएनसांग पुलिस ने शहर और चेंदांग सैडल इलाके में व्यापक तलाशी और छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान कई जगहों से शराब के पाउच, करीब 470 बोतल इंडियन मेड फॉरेन लिकर और बीयर के कैन जब्त किए गए।

टिकट नहीं मिलने से मुआवजे का दावा खारिज नहीं किया जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 26 सितम्बर 2026। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में चलती ट्रेन से गिरकर जान गंवाने वाले एक युवक के माता-पिता को बड़ी राहत देते हुए कहा है कि केवल रेलवे टिकट नहीं मिलने के आधार पर किसी परिवार के मुआवजे के दावे को खारिज नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने गुजरात उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें रेलवे दावा न्यायाधिकरण की ओर से दिए गए मुआवजे को खारिज कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे दावा न्यायाधिकरण के 8 लाख रुपये के मुआवजे के आदेश को बहाल करते हुए रेलवे को यह राशि 30 दिनों के भीतर मृतक के माता-पिता को देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति उज्जल भुयान और न्यायमूर्ति एएस चांदूरकर की पीठ ने यह फैसला सुनाया। मामला सितंबर 2017 का है, जब महेशभाई अहमदाबाद के रास्ते सूरत जा रहे थे। वह ट्रेन के सामान्य डिब्बे में यात्रा कर रहे थे। साबरमती और अहमदाबाद रेलवे स्टेशनों के बीच ट्रेन में अचानक झटका लगने के कारण वह नीचे गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। महेशभाई को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक महीने से अधिक समय तक उनका इलाज चला। हालांकि, अक्टूबर 2017 में चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। इसके बाद उनके माता-पिता ने मुआवजे के लिए रेलवे दावा न्यायाधिकरण का रुख किया। रेलवे दावा न्यायाधिकरण ने जून 2022 में रेलवे दावा न्यायाधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 16 के तहत दायर दावा स्वीकार कर लिया था। न्यायाधिकरण ने माना कि महेशभाई ट्रेन से दुर्घटनावश गिरने की घटना के शिकार हुए थे और यह रेलवे अधिनियम, 1989 के तहत 'अप्रिय घटना' की श्रेणी में आता है। न्यायाधिकरण ने मृतक के माता-पिता को 8 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया था। साथ ही घटना की तारीख से भुगतान की तारीख तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का भी निर्देश दिया गया था।

युद्धाभ्यास तरंग शक्ति-2026 शुरू...8 देशों के 3 हजार से ज्यादा एयर वॉरियर्स हो रहे शामिल

जोधपुर,26 सितम्बर 2026। जोधपुर के आसमान में दुनिया के खतरनाक लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी। युद्धाभ्यास तरंग शक्ति-2026 शनिवार से शुरू हो गया। जोधपुर एयरबेस पर 12 अक्टूबर तक चलने वाले युद्धाभ्यास में भारत समेत 8 देशों की वायु सेनाओं के जवान हिस्सा ले रहे हैं। इसमें शामिल होने के लिए 32 ऑब्जर्वर और लगभग 100 एयरक्राफ्ट यहां पहुंचे हैं। इसमें 3000 से ज्यादा एयर वॉरियर्स भाग ले रहे हैं। खासतौर से राफेल, तेजस, सुखोई 30 एमकेआई, पांचवीं पीढ़ी का एफ 35, एफ 16 और हवा में ईंधन भरने वाले एयरक्राफ्ट (एयर-टू-एयर रिफ्यूलर) जैसे कई विमान एक साथ ऑपरेशनल क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिली लर्निंग का अभ्यास करेगी। इस इंटरनेशनल एक्सरसाइज में जोधपुर सहित वेस्टर्न बॉर्डर के 4-5 एयरबेस शामिल होंगे। यहां से ये विमान अपनी टास्क के अनुसार ऑन एयर होकर टारगेट को तबाह करेंगे। इस युद्धाभ्यास का सबसे बड़ा आकर्षण अमेरिकी वायु सेना का फाइटर जेट एफ-35 लाइटनिंग सेकंड रहेगा। यह पहला अवसर है जब अमेरिका का यह उन्नत स्टील्थ विमान भारतीय धरती से सीधे ऑपरेट करेगा। पाकिस्तान सीमा के करीब जोधपुर एयरबेस पर एफ-35 की मौजूदगी रणनीतिक और तकनीकी रूप से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अमेरिका का लड़ाकू विमान एफ-35 ऐसा विमान है जो रनवे पर दौड़ने के बजाय सीधा उड़ान भरता है। इसके अलावा, फ्रांस अपने उन्नत राफेल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) अपने एफ-16 लड़ाकू विमानों के साथ इस अभ्यास में शामिल हो रहे हैं। युद्धाभ्यास में आठ देश अमेरिका, फ्रांस, यूएई, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, बांग्लादेश और श्रीलंका सीधे तौर पर अपने विमानों और वायुसैनिकों के साथ हिस्सा ले रहे है। तरंग शक्ति के जरिए भारत अपनी मेक इन इंडिया रक्षा क्षमता का भी लोहा मनवाएगा। कई मित्र देशों के वायुसेना प्रमुख इस दौरान जोधपुर पहुंचेंगे ।

ट्रक-बोलेरो की आमने-सामने टक्कर में पांच की मौत...एक घायल,अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहा था परिवार

छतरपुर,26 सितम्बर 2026। सागर-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौका गांव के पास शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। हादसा ट्रक और बोलेरो वाहन की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर के कारण हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग वाहन में फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, बचाव दल और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे के बाद कुछ समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। मातगुवां थाना प्रभारी अंकुर चौबे के अनुसार, बोलेरो वाहन में बिजावर थाना क्षेत्र के खटकयाना मोहल्ले का रैकवार परिवार सवार था। परिवार के सदस्य बिजावर से बागोता में आयोजित अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान चौका गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक से बोलेरो की जोरदार टक्कर हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में तीन पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं।

कुणाल घोष की कार पर अंडे-पत्थर से हमला....शीशा टूटा,ममता बनर्जी की श्रीरामपुर जनसभा में जा रहे थे तृणमूल विधायक,जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता,26 सितम्बर 2026। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस के विधायक कुणाल घोष की कार पर कथित तौर पर अंडे और पत्थर फेंके गए। घटना उस समय हुई जब घोष मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की श्रीरामपुर में आयोजित जनसभा में शामिल होने जा रहे थे। उत्तरपाड़ा के शॉखेर बाजार इलाके में उनकी गाड़ी को लोगों के एक समूह ने घेर लिया और नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी कार के आगे और पीछे के शीशों को नुकसान पहुंचा। घोष के अनुसार,भीड़ ने उनकी गाड़ी पर अंडे और पत्थर फेंके। हमले में कार का पिछला शीशा टूट गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी की स्थिति बन गई और सड़क पर यातायात भी प्रभावित हुआ। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोगों को वाहन के आसपास जमा होकर विरोध करते देखा जा सकता है। घटना के समय कुणाल घोष कार की अगली सीट पर बैठे थे। उनके साथ मौजूद सहयोगियों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाया। वीडियो में भीड़ को वाहन को आगे बढने से रोकते और नारेबाजी करते देखा जा सकता है। वाहन के शीशे टूटने के बाद उसके भीतर और बाहर कांच के टुकड़े तथा अंडों के अवशेष दिखाई दिए। घोष ने घटना को लेकर पुलिस की मौजूदगी और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हमले के लिए किसी व्यक्ति या संगठन की जिम्मेदारी तय नहीं की है। मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने हमले के पीछे राजनीतिक साजिश का आरोप लगाया। दूसरी ओर, भाजपा ने इन आरोपों से इनकार किया है।

C M Y K

संपादकीय

तकनीक के मोर्चे पर छाप छोड़ता भारत

इक्कीसवीं सदी के वैश्वीकृत और प्रौद्योगिकी-संचालित संसार में जिस वस्तु को आधुनिक सभ्यता का अदृश्य हृदय कहा जा सकता है, वह अति-सूक्ष्म सेमीकंडक्टर चिप है। जिस प्रकार बीसवीं सदी के वैश्विक भू-राजनीतिक एवं आर्थिक समीकरणों को कच्चे तेल की उपलब्धता और नियंत्रण ने आकार दिया था,ठीक उसी प्रकार आज की डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता चालित दुनिया में सेमीकंडक्टर चिप्स वैश्विक शक्ति का नया केंद्र बन चुके हैं। स्मार्टफोन, इलेक्ट्रानिक उपकरणों से लेकर आटोमोबाइल,रक्षा प्रणालियों,एयरोस्पेस, चिकित्सा उपकरणों,संचार और उन्नत सुपरकंप्यूटिंग तक,आधुनिक जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र बचा हो,जो इन सूक्ष्म सिलिकान चिप्स पर निर्भर न हो। ऐसे निर्णायक दौर में भारत ने केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र बने रहने के बजाय स्वयं को सेमीकंडक्टर निर्माण के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने का जो संकल्प लिया है, उसे सेमीकान इंडिया पहल के नाम से जाना जाता है।

भारत सरकार ने देश को सेमीकंडक्टर निर्माण का एक मजबूत वैश्विक केंद्र बनाने के लिए प्रारंभिक वित्तीय परिव्यय के साथ राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन और सेमीकान इंडिया कार्यक्रम की आधारशिला रखी है। वैश्विक सेमीकंडक्टर सम्मेलन सेमीकान इंडिया 2026 के मंच से प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने भारत के इस परिवर्तनकारी संकल्प को वैश्विक विश्वसनीयता प्रदान की। सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्रक्रिया को मुख्य रूप से तीन चरणों में विभाजित किया जाता है-डिजाइनिंग, फैब्रिकेशन और संयोजन एवं पैकेजिंग। भारत की रणनीतिक योजना इन तीनों चरणों को समानांतर रूप से मजबूत करने की है। भारत के पास पहले से ही चिप डिजाइनिंग की क्षमता मौजूद है। दुनिया की लगभग सभी प्रमुख चिप डिजाइन कंपनियों के बड़े अनुसंधान और विकास केंद्र भारत में स्थित हैं। सेमीकान इंडिया के अंतर्गत शुरू की गई डिजाइन-संबद्ध प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य घरेलू स्तर पर भारतीय स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को अपनी बौद्धिक संपदा विकसित करने और स्वदेशी चिप्स डिजाइन करने के लिए वित्तीय और तकनीकी संसाधन प्रदान करना है।

जब भारतीय इंजीनियरों द्वारा भारत में ही चिप्स डिजाइन किए जाएंगे और उनका निर्माण भी घरेलू संयंत्रों में होगा,तब वास्तविक रूप में तकनीकी स्वावलंबन का सपना साकार होगा। फैब्रिकेशन और संयोजन के स्तर पर भारत ने जिस त्वरित गति से कदम बढ़ाए हैं,वह आधुनिक औद्योगिक इतिहास में अभूतपूर्व है। असेंबली,टेस्टिंग और पैकेजिंग इकाइयां सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला का वह महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन इकाइयों की स्थापना से भारत को त्वरित सफलता मिल रही है, जिससे देश में बुनियादी औद्योगिक ढांचा तैयार हो रहा है और साथ ही हजारों उच्च-कुशल रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। इसके समानांतर, उच्च-स्तरीय सिलिकान वेफर फैब्रिकेशन संयंत्रों की स्थापना से भारत उस विशिष्ट श्रेणी वाले देशों के समूह में शामिल होने जा रहा है,जिनके पास उन्नत नैनोमीटर स्तर की चिप्स बनाने की क्षमता है।

सेमीकंडक्टर उद्योग दुनिया के सबसे कठिन और अनिश्चित उद्योगों में से एक माना जाता है। आज जो तकनीक अत्याधुनिक है, वह पांच साल बाद पुरानी और अप्रासंगिक हो सकती है। ऐसे में भारत को न केवल वर्तमान तकनीकों जैसे 28 नैनोमीटर,40 नैनोमीटर या उससे अधिक के पारंपरिक चिप्स जो आटोमोबाइल और बिजली उपकरणों में प्रयुक्त होते हैं,पर ध्यान केंद्रित करना होगा,बल्कि अगली पीढ़ी की तकनीकों जैसे दो नैनोमीटर,गैलियम नाइट्राइड,सिलिकान कार्बाइड और सिलिकान फोटोनिक्स आधारित यौगिक सेमीकंडक्टर्स में भी अनुसंधान और विकास को निरंतर गति देनी होगी। इसके लिए सतत वित्तीय निवेश, दीर्घकालिक नीतिगत निरंतरता और निजी उद्योगों के बीच अटूट तालमेल की आवश्यकता है। एक और प्रमुख चुनौती पर्यावरण और बुनियादी ढांचे से जुड़ी है। सेमीकंडक्टर विनिर्माण में बड़े पैमाने पर बिजली और पानी की खपत होती है। बिजली का बाधित होना या पानी में सूक्ष्म अशुद्धि का होना अरबों रुपये के सिलिकान वेफर्स को एक झटके में नष्ट कर सकता है। इसलिए भारत को अपने सेमीकंडक्टर पार्कों में निर्बाध,विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा और शून्य-दोष गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही, हरित ऊर्जा और जल पुनर्चक्रण की टिकाऊ तकनीकों को अपनाना होगा, ताकि यह औद्योगिक प्रगति पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव न डाले।

सेमीकान इंडिया का लक्ष्य केवल पारंपरिक सिलिकान-आधारित चिप्स तक सीमित नहीं है। भारत भविष्य की तकनीकों,जैसे क्वांटम कंप्यूटिंग, फोटोनिक्स,आप्टोइलेक्ट्रानिक्स और एआइ के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए चिप्स के क्षेत्र में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने को तत्पर है। जैसे-जैसे दुनिया 6जी संचार,स्वायत्त वाहनों,स्मार्ट ग्रिड्स और रोबोटिक्स की ओर बढ़ रही है,वैसे-वैसे अत्यधिक कुशल और कम बिजली खपत करने वाले चिप्स की मांग तेजी से बढ़ेगी। भारत यदि समय रहते इन उभरती तकनीकों में अपनी अग्रणी स्थिति बना लेता है तो वह अगली औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने वाले अग्रिम पंक्ति के देशों में शामिल हो जाएगा।

पर्यटन : मानव-प्रकृति के सम्बंधों की नवल व्याख्या

आज विश्व पर्यटन दिवस है। वर्ष 1980 में संयुक्त राष्ट्रसंघ के विश्व पर्यटन संगठन द्वारा दुनिया में सांस्कृतिक, सामाजिक,आर्थिक,शैक्षिक एवं राज नीतिक मूल्यों को बढ़ाने, आपसी समझदारी विकसित करने तथा आनंद एवं मनोरंजन के सहज एवं सुरक्षित पर्यटन क्षेत्र उपलब्ध कराने हेतु जन-जागरण एवं पर्यटन से मानवता के उच्च आदर्शों एवं शांति की स्थापना का संदेश प्रसारित करने की दृष्टि से विश्व पर्यटन दिवस मनाने की पहल की गई थी। इस पहले विश्व पर्यटन की थीम थी-सांस्कृतिक विरासत,शांति एवं आपसी समझ के संरक्षण के लिए पर्यटन का योगदान,जो पर्यटन के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी नवल प्रयत्न था। वर्तमान वर्ष की थीम है- पर्यटन को नया रूप देने के लिए डिजिटल एजेंडा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता।

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

पर्यटन ने विभिन्न देशों के पर्यटकों को एक-दूसरे की संस्कृति,विरासत, लोककला,वास्तुकला,खान-पान,रीति-रिवाजों को समझने-सीखने एवं प्रकृति के अनुपम योगदान को शांतमन हो अनुभव करने को प्रेरित किया। पर्यटन ने दिलों की दूरियों को समाप्त किया है और मानवता के प्रज्ज्वलित दीप को संभाले रखा है। पर्यटन केवल मौज-मस्ती, खाना-पीना और घूमना-फिरना मात्र नहीं है,बल्कि पर्यटन जीवन जीने की कला सिखाता है। पर्यटन ही वह सरल माध्यम है जो व्यक्ति को धैर्य,अहिंसा,प्रेम, करुणा,त्याग के उच्चतम भावपथ पर अग्रसर करता है। वह व्यक्तियों को चुनौतियों से जूझने और संकटों से निर्भय हो पार निकलने की डगर भी दिखाता है।

वह पशु-पक्षियों,मिट्टी,फसलों, गिरि-कानन,कीट-पतंगों,बंजर रेगिस्तानों एवं सर-सरिताओं से प्यार करना सिखाता है। सहानुभूति और समानुभूति का अनुभव पर्यटक से बेहतर किसे हो सकता है। निश्चितरूप से पर्यटन मानव और प्रकृति के सम्बंधों की नवल व्याख्या का फलक है,जिसमें परस्पर प्रेम,सौहार्द, भाईचारे एवं आपसी समझ के चित्र मुस्कुरा रहे हैं,जहां समय के पृष्ठों पर ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक सौंदर्य बिखरा पड़ा शोभायमान है। पर्यटन मानव एवं प्रकृति के सह-अस्तित्व,संस्कार,सह कार,समन्वय एवं संवेदना का सहज सात्विक पथ है,जो उसे मानवीय गरिमा की उच्चता प्रदान करता है।

पर्यटन सामान्य अर्थों में अपने चारों ओर (क्षेत्र एवं स्थानों पर) घूमना है,किंतु विश्व पर्यटन संगठन के विचार में जब कोई व्यक्ति एक वर्ष से कम समय के लिए अपने सामान्य परिवेश से बाहर रहता हो,उसे पर्यटन कहा जाता है। घरेलू पर्यटन,अंतरराष्ट्रीय पर्यटन,व्यापारिक पर्यटन,प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन की दृष्टि से काम एवं रुचि अनुसार व्यक्तियों द्वारा पर्यटन किया जाता है। आज किसी भी देश के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन की बड़ी भूमिका है। पर्यटन से न केवल प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होते हैं बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से भी पर्यटन समाज को प्रभावित करता है। आधुनिक पर्यटन के जनक थामस कुक हैं, जिन्होंने 1841 में इंग्लैंड में ट्रैवल एजेंसी बना पहली बार सार्वजनिक रूप से विज्ञापन देकर ट्रेन यात्रा का आयोजन किया था।

भारत के संदर्भ में बात करूं तो वर्तमान सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र का योगदान लगभग 6 प्रतिशत है, जो वर्ष 2031 तक बढ़कर आठ प्रतिशत संभावित है। भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 1945 में सर जॉन सार्जेंट समिति का गठन किया गया था। देश की स्वतंत्रता के बाद घरेलू पर्यटन ने जोर पकड़ा। तब पर्यटन क्षेत्रों के विस्तार एवं प्रबंधन करने तथा पर्यटकों को आवश्यक सुविधाएं एवं मदद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय पर्यटन विकास निगम की स्थापना की गई। भारत में पर्यटकों के प्रिय स्थानों में आगरा का किला एवं ताजमहल, हवामहल,महाकुंभ मेले,सांची स्तूप,स्वर्ण मंदिर,स्टेच्यू ऑफ यूनिटी गुजरात,चारमीनार,अजंता-एलोरा की गुफाएं,कोणार्क मंदिर,श्रीराम मंदिर, खजुराहो,डल झील,लद्दाख एवं पूर्वोत्तर के क्षेत्र सहित वाराणसी,हरिद्वार,मथुरा, मैसूर आदि की एक लम्बी सूची है। तीर्थाटन की दृष्टि से चारधाम यात्रा, चित्रकूट,अयोध्या,रामेश्वर,प्रयागराज, वृंदावन,नासिक,सोमनाथ,केदारनाथ, बद्रीनाथ,जगन्नाथ एवं तिरुपति बालाजी मंदिर सहित सैकड़ों छोटे-बड़े धार्मिक आस्था एवं श्रद्धा के केंद्र हैं जहां करोड़ों की संख्या में पर्यटक तीर्थ यात्री दर्शन-पूजन एवं खरीददारी कर देश के आर्थिक विकास को गति देते हैं। भारत आये कुछ विदेशी यात्रियों के नाम मानस में सहसा कौंध रहे हैं। इतिहास के पन्नों में इब्नबतूता, मार्कोपोलो,ह्वेनसांग,फाहियान आदि के नाम बड़े आदर के साथ दर्ज हैं जिन्होंने अपने यात्रा वृत्त लेखों में तत्कालीन समाज एवं लोक जीवन तथा राजनीतिक परिस्थितियों का दृश्यांकन किया है जो आज शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। सम्राट अशोक, राजा हर्षवर्धन,महारानी अहिल्याबाई होलकर आदि ने पर्यटकों एवं यात्रियों के लिए धर्मशालाएं एवं सड़कें बनवाई,सरोवर एवं कूप खुदवाये तथा मार्गों एवं आश्रय स्थलों में ठहराव के उचित प्रबंध करवाये, जो आज भी उपयोगी बने हुए हैं।

इस लेख को लिखते समय मेरे स्मृति पटल पर अंकित बचपन के वे प्रेरक रोमांचक दृश्य प्रतिबिम्बित हो रहे हैं,जिनसे मैं प्रेरित एवं प्रोत्साहित हुआ हूं। मुझे स्मरण है,उन दिनों चारधाम की यात्रा पर लोग समूह में जाया करते थे,जो दो-चार गांवों के पूर्व परिचित तीर्थयात्रियों के जुड़ने से बन जाता था। यात्रा पर जाने के दिन गांव के मोड़ तक परिवार,पड़ोस एवं रिस्तेदार जाया करते थे। यात्रियों को माला पहनाई जाती और विदाई में रुपए हाथ में धरे जाते। बाद में गले मिलकर खूब रोते और आंसू पोंछते घर लौटते। रोना का कारण मेरी समझ न आने पर एक बार मैंने पूछ लिया तो एक बुजुर्ग व्यक्ति ने बताया कि पता नहीं ये लौट भी पाएंगे या नहीं। गांवों में ऐसी तमाम कहानियां मुंह जुबानी तैरती रहतीं जिसमें गांव से गये तीर्थ यात्रियों के कभी लौटकर नहीं आने के वर्णन होते। वे वहीं स्वर्गारोहण कर गये होते। अब तो यात्रा के समुचित प्रबंध हो जाने से पर्यटन आसान हो गया है। मुझे लगता है, पर्यटन व्यक्ति को मानसिक और वैचारिक दृष्टि से लोकतांत्रिक, सामूहिक,परस्पर विश्वास एवं प्रेममय जीवन जीने वाला बनाता है, इसलिए पर्यटन आवश्यक है ।

स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव,यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- पर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ खड़े होना। यह थीम केवल पर्यावरण की रक्षा का आह्वान नहीं है,बल्कि विज्ञान,प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है।

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं,जिस मिट्टी में अन्न उगता है,जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है,ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता और मनुष्य का अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार करेगा। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं,वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 3.6 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने अपर्याप्त जल उपलब्धता का सामना करते हैं। वर्ष 2000 के बाद बाढ़ से जुड़ी आपदाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की संख्या व अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पानी कम हो रहा है, इसका अर्थ यह भी है कि बीमारियां,विस्थापन, खाद्य-असुरक्षा और मानसिक तनाव बढ़ने की जमीन तैयार हो रही है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे कठोर चेहरा आज मानव शरीर पर दिखाई दे रहा है। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार 2000-2004 की तुलना में 2017-2021 के दौरान 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मृत्यु-दर लगभग 85 प्रतिशत बढ़ी। गर्मी केवल असुविधा नहीं है,यह हृदय,श्वसन,मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों को गंभीर बना सकती है। इसीलिए जलवायु नीति को स्वास्थ्य नीति से

अलग देखने का समय समाप्त हो चुका है। वास्तव में पर्यावरणीय जोखिम आज वैश्विक स्वास्थ्य का मौन संकट बन चुके हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार पर्यावरण से जुड़े जोखिमों को कम करके दुनिया में होने वाली लगभग 24 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण अकेले हर वर्ष लाखों समयपूर्व मौतों से जुड़ा है। इसलिए अस्पतालों की संख्या बढ़ाना ही स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि हवा प्रदूषित है, पानी असुरक्षित है, मिट्टी जहरीली है और शहरों में गर्मी बढ़ रही है, तो बीमारी के कारणों को छोड़े रखकर केवल इलाज की व्यवस्था बढ़ाना अधूरा प्रयास होगा।

आज दुनिया को इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था से रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है,लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा श्वसन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। ऊंची इमारतें,चौड़ी सड़कें,अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं हैं। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी,जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पीढ़ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएनईपी के नवीनतम ग्लोबल इनवारमेंट आउटलुक-7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु,स्वस्थ प्रकृति,बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को बड़े लाभ मिल सकते हैं,जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु,जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कीमत डाल सकता है। यहां भारत के लिए भी एक बड़ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन,नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा,भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन,जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता,वह भविष्य की बीमारी,विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा,तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यू.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले वन हैल्थ दृष्टिकोण पर बल देता है। इसका संदेश स्पष्ट है-मानव स्वास्थ्य को पृथक द्वीप की तरह सुरक्षित नहीं किया जा सकता,स्वस्थ मनुष्य के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है।

नई दिशा यह होनी चाहिए कि प्रत्येक शहर अपना पर्यावरण स्वास्थ्य बजट बनाए। इसमें केवल सड़क और भवन नहीं,बल्कि प्रति व्यक्ति हरित क्षेत्र,स्वच्छ हवा,सुरक्षित पानी,वृक्ष आवरण,जल-संचयन,कचरा प्रबंधन,गर्मी से सुरक्षा और जैव-विविधता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को केवल पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाने तक सीमित न रखा जाए,बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र की नदी,तालाब,जलस्तर,वायु गुणवत्ता और जैव-विविधता का स्थानीय संरक्षक बनाया जाए। अस्पतालों को भी ऊर्जा-कुशल,कम-कार्बन और जल-संरक्षण आधारित बनाया जाए। विज्ञान इस अभियान का मार्गदर्शक बने और संवेदना उसका आधार। आंकड़े हमें संकट का आकार बताते हैं, लेकिन संवेदना हमें कार्रवाई के लिए प्रेरित करती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति कोई बाहरी वस्तु नहीं है जिसे हम बचा रहे हैं,हम स्वयं प्रकृति का हिस्सा हैं। नदी को बचाना अपने रक्त में बहते जल को बचाना है,जंगल को बचाना अपनी सांस को बचाना है,मिट्टी को बचाना अपने भोजन को बचाना है और जलवायु को बचाना अपने भविष्य को बचाना है। आज आवश्यकता पर्यावरण बनाम विकास की बहस की नहीं,बल्कि पर्यावरण-सम्मत विकास की है। विज्ञान हमें रास्ता दिखा रहा है और प्रकृति हमें उसकी कीमत का संकेत दे रही है। अब निर्णय मनुष्य को करना है कि वह संसाधनों का स्वामी बनकर उन्हें समाप्त करेगा या संरक्षक बनकर उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएगा।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता। दोनों को एक साथ चलना होगा। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, स्वस्थ मिट्टी,सुरक्षित भोजन,संतुलित जलवायु और समृद्ध जैव-विविधता-ये पर्यावरण के विषय भर नहीं, मानव जीवन के मौलिक अधिकार हैं। अंततः हमें ऐसी दुनिया बनानी है जहां अस्पताल कम और स्वस्थ जीवन अधिक दिखाई दे,जहां बोतलबंद पानी खरीदना मजबूरी नहीं,सुरक्षित प्राकृतिक जल सामान्य जीवन का हिस्सा हो। जहां वृक्ष सजावट नहीं,जीवन-सहचर माने जाएं,जहां नदी संसाधन नहीं,जीवंत धरोहर समझी जाए। पर्यावरण को स्वस्थ करना ही मानव स्वास्थ्य को स्वस्थ करना है और मानव जीवन को स्वस्थ बनाना ही पर्यावरण की सबसे बड़ी सुरक्षा है। यही सोच स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ मनुष्य और स्वस्थ विश्व की नई त्रिवेणी बना सकती है। यही विज्ञान के साथ खड़े होने का वास्तविक अर्थ है और यही विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की सार्थकता भी।

भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण साधन है पर्यटन उद्योग

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विहीन उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं।

रमेश सर्राफ
झुंझुनू,राजस्थान

आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

विश्व पर्यटन दिवस मानाने का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक,सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस मनाने से हमें पर्यटन के हम पर और हमारे आसपास की दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसमें विश्व भर में आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ नैतिक, सामाजिक विचार भी शामिल हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में

जागरूकता को बढ़ावा देना है।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। हर साल विश्व पर्यटन दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस 2026 का आधिकारिक विषय (थीम) संयुक्त राष्ट्र पर्यटन के अनुसार पर्यटन क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन को अपनाना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण को बढ़ावा देना है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आधुनिक तकनीक और नवाचार मिलकर पर्यटन के भविष्य को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सुलभ बना रहे हैं।

विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8 वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। रिपोर्ट में वैश्विक यात्रा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डाला गया है और अनुमान है कि अगले दशक में यह चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा जो बुनियादी ढाँचे, विपणन और सेवा वितरण में मज़बूत वृद्धि और रणनीतिक विकास को दर्शाता है। यह बढ़ता रुझान एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में भारत की क्षमता को रेखांकित करता है और आर्थिक विस्तार एवं रोज़गार को बढ़ावा देने में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

यूरोपीय देश जर्मनी,यूनाइटेड किंगडम,फ्रांस, इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एसएआर,मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेज़ी से अपनी पहचान बना रहे हैं।
अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन खर्च में तीव्र वृद्धि देखने वाले देशों में सऊदी अरब (+91.3 प्रतिशत),तुर्की (+38.2 प्रतिशत),केन्या (+33.3 प्रतिशत),कोलंबिया(+29.1प्रतिशत), और मिस्र (+22.9 प्रतिशत) शामिल हैं।

आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थ व्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपिय देश,तटीय अफ्रीकी देश,पूर्वी एशियाई देश,कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है।

लालच और विस्तार का कोई अंत नहीं,युद्ध समाधान नहीं

युद्ध का उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है,जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है,

संजीव कुमार ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता,वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो,उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा और पश्चाताप। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है,बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती है।

युद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निर्दोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने,उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जब कोई माँ अपने बेटे को खोती है,जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है,तब राष्ट्र की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता,केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्मज्ञान का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है,चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो,इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका,इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है।

इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं,बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे ठप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है,बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है। एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है। युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज,जिसमें अविश्वास,भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है,बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है। आत्मज्ञानी व्यक्ति और संवेदनशील समाज इस सत्य को समझते हैं कि शांति ही वह मार्ग है जो मानवता को आगे बढ़ा सकता है।

युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं,तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है। उस समय कोई भी जीत सार्थक नहीं लगती, क्योंकि जीत की कीमत बहुत अधिक होती है। युद्ध की राख से उठने वाली यह चेतना ही आत्मज्ञान का वास्तविक रूप है, जो हमें यह समझाती है कि हिंसा और घृणा के मार्ग पर चलकर हम केवल विनाश ही प्राप्त कर सकते हैं। यदि मानवता को बचाना है, तो हमें संवाद, सहिष्णुता और प्रेम का मार्ग अपनाना होगा। युद्ध का उन्माद क्षणिक हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम पीढ़ियों तक महसूस किए जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम इतिहास से सीख लें और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए शांति का मार्ग चुनें,क्योंकि अंततः वही मार्ग हमें सच्चे अर्थों में मानव बनाता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

सरगुजा में मौसम ने बदला मिजाज..

40-50 किमी की रफ्तार से चली हवा

मैनपाट में जमीन पर उतरे बादल,ठंडी हवाओं से बढ़ी ठिठुरन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सितंबर के आखिरी सप्ताह में सरगुजा में मौसम ने अचानक करवट ली है। तीन दिनों से लगातार बने बादल,रुक-रुककर हो रही बारिश और तेज हवाओं ने मौसम में ठंडक बढ़ा दी है। शनिवार को 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं के बीच दिनभर फुहारें पड़ती रहीं। इसका सबसे ज्यादा असर पहाड़ी इलाकों में देखने को मिला। छत्तीसगढ़ के शिमला कहे जाने वाले मैनपाट में बादल जमीन पर उतर आए और पूरे दिन ठंडी हवाओं के बीच लोग गर्म कपड़ों में नजर आए। अंबिकापुर में भी मौसम का असर साफ दिखाई दिया। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुककर बारिश होती रही। अधिकतम तापमान 25.5 और न्यूनतम 22.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश और तेज हवा के कारण तापमान में गिरावट के साथ लोगों को सितंबर में ही सर्दी का अहसास होने लगा।

बारिश के अलर्ट पर स्कूलों में रही छुट्टी : मौसम विभाग ने 26 सितंबर को उत्तरी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश और तेज हवा की संभावना जताई थी। मौसम की स्थिति को देखते हुए बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर शासन ने शनिवार को सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में अवकाश घोषित किया था। हालांकि सरगुजा में भारी बारिश के बजाय रुक-रुककर हल्की बारिश हुई,लेकिन तेज हवाओं ने दिनभर मौसम को ठंडा बनाए रखा।

खेतों में पानी,धान में रोग का खतरा

लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों और खेतों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। अधिक नमी से धान समेत अन्य फसलों में फफूंदजनित रोग बढ़ने की आशंका है। कृषि मौसम विज्ञान इकाई ने किसानों को बारिश और तेज हवा के दौरान कीटनाशक, फफूंदनाशक और उर्वरक का छिड़काव नहीं करने की सलाह दी है। खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी की व्यवस्था करने को भी कहा गया है। धान की फसल में ब्लास्ट, जीवाणु झुलसा समेत अन्य रोगों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं तेज हवा से फसल के गिरने की आशंका है। किसानों को गरज-चमक के दौरान खुले खेतों में काम नहीं करने और आकाशीय बिजली से सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मानसून की विदाई अभी दूर

मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल के अनुसार उत्तरी छत्तीसगढ़ से मानसून की विदाई अभी नहीं हुई है। वर्तमान मौसम प्रणाली के प्रभाव से अगले कुछ दिनों तक मौसम में बदलाव बना रह सकता है। इसके कमजोर होने में 4 से 5 दिन लगने की संभावना है। इसके बाद मानसून की विदाई में भी करीब 4 से 5 दिन लग सकते हैं। ऐसे में उत्तरी छत्तीसगढ़ से मानसून की पूरी तरह विदाई में अभी 8 से 10 दिन लगने का अनुमान है। रविवार से मौसम में कुछ सुधार की संभावना है।

कब्रिस्तान में शव दफनाने को लेकर विवाद,निष्पक्ष जांच की मांग...

रोमन कैथोलिक समुदाय ने कलेक्टर को सौंपा आवेदन,17 सितंबर की घटना का किया उल्लेख

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

फुन्दुरडिहारी स्थित रोमन कैथोलिक ईसाई समुदाय के कब्रिस्तान में दूसरे समुदाय के मृतक का शव दफनाने को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। मामले में रोमन कैथोलिक ईसाई समुदाय की ओर से कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार को आवेदन सौंपकर निष्पक्ष जांच,अवैधानिक कार्रवाई पर रोक और शांति व्यवस्था बनाए रखने की मांग की गई है। आवेदन 25 सितंबर को दिया गया। समुदाय ने आवेदन में दावा किया है कि फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि का करीब 70 वर्षों से कब्रिस्तान के रूप में उपयोग किया जा रहा है। आवेदन के अनुसार नजूल भूखंड क्रमांक 120/1 की कुल 39.45½ एकड़ भूमि में से 3.30 एकड़ क्षेत्र में समुदाय द्वारा मृतकों को दफनाया जाता रहा है। इस हिस्से में बाउंड्रीवाल और गेट भी बनाए गए हैं। आवेदन में वर्ष 2020 में नजूल अधिकारी द्वारा की गई कार्रवाई का भी उल्लेख है। संस्था के अनुसार 17 जनवरी 2020 के आदेश के आधार पर नजूल अभिलेखों में प्लाट क्रमांक 120/1 की 3.30 एकड़ भूमि को कब्रिस्तान के कब्जेदार के रूप में दर्ज और चिन्हांकित किया गया था। संस्था का कहना है कि बाद में इस कार्रवाई के खिलाफ अपील हुई और वर्ष 2026 में अपर कलेक्टर स्तर से आदेश पारित होने के बाद नजूल अभिलेख की उक्त प्रविष्टि विलोपित कर दी गई।

17 सितंबर की घटना पर जताई आपत्ति : संस्था ने आवेदन में आरोप लगाया है कि 17 सितंबर को नायब तहसीलदार अंबिकापुर जयेश कंवर करीब 100 लोगों के साथ दोपहर लगभग 2 बजे एक मृत व्यक्ति का शव लेकर कब्रिस्तान पहुंचे। संस्था के अध्यक्ष मानू खलखो को बताया गया कि एसडीएम के मौखिक आदेश के आधार पर शव को वहां दफनाने की व्यवस्था की गई है। आवेदन के अनुसार संस्था के अध्यक्ष और सदस्यों ने इसका विरोध किया। उनका कहना था कि किसी न्यायालय के आदेश के बिना दूसरे समुदाय के मृतक को यहां दफनाया जा रहा है। संस्था ने आरोप लगाया कि इसके बाद शव के साथ पहुंचे लोगों ने हंगामा किया और कब्रिस्तान का ताला खुलवाकर शव दफनाने की कार्रवाई की गई। घटना के बाद समुदाय में आक्रोश और भय की स्थिति होने का भी आवेदन में उल्लेख है।

70 वर्षों से उपयोग का दावा : संस्था ने बताया कि कब्रिस्तान में दफनाए गए मृतकों का रिकॉर्ड लंबे समय से रखा जा रहा है। पिछले 35-40 वर्षों के दफन रिकॉर्ड भी सुरक्षित होने का दावा किया गया है। आवेदन में धार्मिक परंपराओं और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 व 26 में प्रदत्त धार्मिक अधिकारों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि प्रत्येक वर्ष 2 नवंबर को समुदाय के लोग पूर्वजों और मृत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए कब्रिस्तान में एकत्र होते हैं।

तनाव बढ़ने की आशंका जताई :
संस्था ने आशंका जताई है कि यदि अन्य समुदायों के शवों को भी इसी कब्रिस्तान में दफनाने की कार्रवाई की जाती है तो वर्षों से चली आ रही व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और समुदायों के बीच तनाव बढ़ सकता है। आवेदन में प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने,अवैधानिक कार्रवाई रोकने, शांति व्यवस्था बनाए रखने और संस्था के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने की मांग की गई है। आवेदन की प्रतिलिपि संभागायुक्त और पुलिस अधीक्षक को भी भेजी गई है।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने वृद्धाश्रम में 25 वरिष्ठजनों को वितरित किए वस्त्र एवं फल

श्री अग्रवाल बोले...वरिष्ठजन हमारे मार्गदर्शक और समाज के आधारस्तंभ,उनकी सेवा और सम्मान हम सभी का दायित्व

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा, संवेदना और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाते हुए अजीरमा,अंबिकापुर स्थित आस्था निकुंज वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों के सम्मान एवं सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज कल्याण विभाग से अनुदान सहायता प्राप्त स्वसहायता समूह रॉबर्ट कानन बाला स्मृति सेवा संस्थान द्वारा वर्ष 1993 से संचालित इस वृद्धाश्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल तथा नगरपालिक निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने 25 वरिष्ठजनों को वस्त्र एवं फल वितरित किए।

वरिष्ठजनों से आत्मीय संवाद,जाना कुशलक्षेम : कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठजनों से आत्मीयता के साथ संवाद किया और उनके स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली। उन्होंने अपने हाथों से वरिष्ठजनों को वस्त्र एवं फल प्रदान किए तथा उनके साथ समय बिताकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे मार्गदर्शक और पथप्रदर्शक हैं। उनके जीवन का अनुभव, संघर्ष और जीवन मूल्य समाज तथा नई पीढ़ी के लिए अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का सम्मान,उनकी सेवा और उनके साथ आत्मीयता से समय बिताना केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी भी है।

सेवा संकल्प अभियान सेवा और संवेदना को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास : मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सेवा और संवेदना की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना तथा जनभागीदारी के माध्यम से जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में सेवा,स्वच्छता,स्वास्थ्य,पोषण, शिक्षा,पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब उसमें अपनत्व और संवेदना जुड़ी हो।

समाज के वरिष्ठजनों के साथ समय बिताना,उनकी आवश्यक ताओं को समझना और उन्हें सम्मान देना भी सेवा का महत्वपूर्ण स्वरूप है। ऐसे कार्यक्रम समाज में पारस्परिक सहयोग,सम्मान और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं।

वस्त्र एवं फल वितरण से बढ़ी आत्मीयता : सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठजनों के लिए वस्त्र दान किया गया। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि वरिष्ठजनों को अपने हाथों से वस्त्र प्रदान करते हुए मन भावुक हो गया।

गणेश विसर्जन झांकी में उमड़ा आस्था का सैलाब,भक्ति गीतों पर देर रात तक झूमे श्रद्धालु

भव्य झांकियों,जगराता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति (ट्रस्ट) की ओर से गणेश विसर्जन के अवसर पर शुक्रवार को घड़ी चौक में श्री गणपत विसर्जन झांकी एवं जगराता का आयोजन किया गया। शाम से शुरू हुए धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गणपति पंडाल से निकली भव्य झांकी के साथ श्रद्धालु नाचते-गाते और भगवान गणेश के जयकारे लगाते हुए घड़ी चौक पहुंचे।

घड़ी चौक पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, सांसद चिंतामणि महाराज,भारत सिंह सिसोदिया,प्रबोध मिंज,महापौर मंजूषा भगत,बालकृष्ण पाठक,मेजर अनिल सिंह, द्वितेन्द्र मिश्रा, शफी अहमद, ललन प्रताप सिंह,निरूपा सिंह एवं उपस्थित सभी अतिथियों के साथ बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों,श्रद्धालुओं द्वारा भगवान श्री गणेश का विधिवत आरती,पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात भक्तिभाव और भावुक वातावरण के बीच भगवान गणेश की प्रतिमा को विसर्जन के लिए विदाई दी गई। कार्यक्रम में गिरिराज पब्लिक स्कूल और उम्मीद की किरण पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। वहीं जबलपुर से आई जगराता कलाकार सुरभि और नम्रता गुप्ता ने भी प्रस्तुति दी।

स्थानीय कलाकारों ने गणेश स्तुति, भक्ति गीत, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को देर रात तक बांधे रखा। समिति की ओर से गणेश विसर्जन झांकी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। वृहद श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 31 हजार,द्वितीय 15 हजार और तृतीय 11 हजार रुपए रखा गया है। बाल श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 11 हजार, द्वितीय 5100 और तृतीय 2100 रुपए निर्धारित हैं। इसके अलावा बेहतर प्रदर्शन करने वाली झांकियों को अन्य पुरस्कार भी दिए जाएंगे। झांकियों में धार्मिक आस्था के साथ रचनात्मकता और आकर्षक प्रस्तुतियां देखने को मिलीं।

समाज को एकजुट करने का माध्यम : समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि गणेश विसर्जन का आयोजन धार्मिक आस्था के साथ समाज को एकजुट करने और सांस्कृतिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम है। अध्यक्ष शैलेष सिंह शैलू ने आयोजन की सफलता के लिए पदाधिकारियों,सदस्यों,स्वयंसेवकों और श्रद्धालुओं का आभार जताया। मंच संचालन नरेंद्र सिंह टुटेजा और विनोद हर्ष ने किया। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी,सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

इस अवसर पर हरमिंदर सिंह,निलेश सिंह, गोल्डी बिहाडें,अरुणा सिंह,दिव्या सिंह सिसोदिया, जन्मजय मिश्रा,मधुसूदन शुक्ला,राजकुमार बंसल,मनीष सिंह,मधु चौदाहा,विदानंद मिश्रा,रुपेश दुबे,सुभांगी बिहाडे,डी के सोनी,काशी केसरी,मनोज प्रसाद,संजय गुप्ता,दिनेश शुक्ला,अभिषेक शर्मा,रवींद्र तिवारी,रविकांत उराव,अंशुमल गर्ग,रोहन मंडल,नूर सिंह,सुमित सिंह, राहुल मंडल,भूपेंद्र सिंह,मनीष बारी,जतिन परमार, प्रिया सिंह,संदीप सोनी,चंद्रमा प्रसाद,अमन , विनीत जायसवाल प्रमोद चौधरी,समीर श्रीवास्तव,अनीश सिंह,संजय सिंह , अभिषेक श्रीवास्त,विशाल गोस्वामी,सुनील गोयल,आशीष अग्रवाल,मनोज अग्रवाल, शशिकांत जायसवाल,नीरज पांडे,पूनम पांडे , पूनम सिंह,धीरज सिंह,प्रियंका चौबे,रवि विश्वकर्मा,अविनाश ठाकुर,दुर्गेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

43 दिनों में 7,067 जागरूकता कार्यक्रम,2.36 लाख से अधिक लोग हुए जागरूक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे के बीच लोगों को डिजिटल ठगी से बचाने के लिए चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान में सरगुजा पुलिस ने व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। पुलिस के अनुसार 15 अगस्त से 26 सितंबर तक 43 दिनों में जिले में कुल 7,067 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 2 लाख 36 हजार 100 नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। पुलिस ने इसे सरगुजा रेंज में सर्वाधिक कार्यक्रम आयोजित करने की उपलब्धि बताया है।

पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर प्रदेशभर में 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। सरगुजा में डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अभियान के नोडल अधिकारी रितेश चौधरी के नेतृत्व में सभी थाना-चौकी, साइबर सेल और कंट्रोल रूम की टीमों को अभियान से जोड़ा गया है।

स्कूल से हाट-बाजार तक पहुंच रही पुलिस : अभियान के तहत पुलिस की टीमें केवल थानों तक सीमित न रहकर सीधे लोगों के बीच पहुंच रही हैं। स्कूल, कॉलेज,कोचिंग संस्थान, हाट-बाजार,ग्राम पंचायत,बस स्टैंड, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, शासकीय कार्यालयों के साथ ही नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में पुलिस अधिकारी और साइबर सेल की टीम लोगों को ऑनलाइन ठगी के बदलते तरीकों की जानकारी दे रही है। ऑनलाइन जॉब फ्रॉड, शेयर मार्केट निवेश के नाम पर ठगी,फर्जी APK के जरिए मोबाइल में सेंध,क्रेडिट-डेबिट कार्ड फ्रॉड,फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल और अन्य डिजिटल धोखाधड़ी के तरीकों के बारे में उदाहरण और डेमो के जरिए समझाया जा रहा है।

नवाबिहान की टीम भी अभियान में सक्रिय : सरगुजा पुलिस के अनुसार जागरूकता अभियान में नवाबिहान की टीम का भी सक्रिय सहयोग मिल रहा है। पुलिस और सहयोगी टीमों द्वारा प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच बनाकर ऐसे लोगों को भी अभियान से जोड़ा जा रहा है, जो डिजिटल लेन-देन तो कर रहे हैं,लेकिन साइबर सुरक्षा के प्रति पर्याप्त जागरूक नहीं हैं।

OTP,PIN और पासवर्ड साझा नहीं करने की दी जा रही समझाइश : जागरूकता कार्यक्रमों में लोगों को बार-बार यह समझाया जा रहा है कि किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर OTP, ATM PIN, UPI PIN,बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी या पासवर्ड साझा न करें। पुलिस द्वारा फर्जी KYC अपडेट,लॉटरी, फ्री गिफ्ट और अन्य लालच देकर की जाने वाली ठगी से भी सावधान रहने की अपील की जा रही है। वरिष्ठ नागरिकों और विद्यार्थियों के बीच विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट और सेक्सटॉर्शन जैसे साइबरअपराधों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। पुलिस लोगों को यह भी बता रही है कि कोई व्यक्ति खुद को पुलिस,CBI या किसी अन्य जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल पर डराए और पैसे की मांग करे तो उसके दबाव में न आएं।

ठगी होते ही 1930 पर करें कॉल : पुलिस ने साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है। किसी संदिग्ध वित्तीय लेन-देन या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल संपर्क करने तथा cyber crime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई है। पुलिस का कहना है कि समय पर शिकायत मिलने से ठगी की रकम को रोकने या वापस कराने की कार्रवाई में मदद मिल सकती है।

2 अक्टूबर तक जारी रहेगा अभियान: सरगुजा पुलिस के अनुसार साइबर जागृति अभियान 2 अक्टूबर 2026 तक लगातार जारी रहेगा। अभियान के तहत प्रत्येक सप्ताह के लिए जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है और थाना-चौकी स्तर पर अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचकर डिजिटल लेन-देन के साथ साइबर सुरक्षा को लेकर भी आमजन को जागरूक करना है।

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की बैठक आज,लंबित समस्याओं और पदोन्नति पर होगी चर्चा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिला शाखा सरगुजा की आवश्यक बैठक 27 सितंबर,रविवार को दोपहर 12 बजे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय स्थित मंथन हॉल में आयोजित की जाएगी। बैठक में जिलेभर के स्वास्थ्य कर्मचारियों से जुड़ी लंबित समस्याओं के निराकरण सहित संगठनात्मक एवं कर्मचारी हित के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक में सरगुजा जिले में संघ की सदस्यता बढ़ाने,संभाग, जिला एवं विकासखंड स्तर पर लंबित कर्मचारी समस्याओं,स्वास्थ्य कर्मचारियों की पदोन्नति तथा पुनरीक्षित वेतनमान से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। इसके अलावा कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण को लेकर विभागीय स्तर पर कथित उदासीन रवैये को लेकर भी संगठन अपनी आगामी रणनीति तय करेगा। मैदानी स्वास्थ्य कर्मचारियों को ऑनलाइन एंट्री में आ रही परेशानियों तथा ऑनलाइन कार्य के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता का मुद्दा भी बैठक में प्रमुखता से उठाया जाएगा। बैठक में विकासखंड अम्बिकापुर अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दरिमा के बीएमओ डॉ. राहुल कुशवाहा से जुड़े मामलों पर भी चर्चा प्रस्तावित है। संघ का आरोप है कि बीएमओ द्वारा कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा है तथा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष को कथित रूप से टार्गेट कर दुर्व्यवहार एवं व्यक्तिगत रूप से परेशान किया जा रहा है। इन आरोपों पर संगठन आगे की कार्रवाई एवं रणनीति पर विचार करेगा।

जल संसाधन विभाग ने बढ़ते जलस्तर पर निगरानी बढ़ाई...कलेक्टर रोक्तिमा यादव की अपील-जलाशयों,नदी-नालों और जलप्रपातों से रहें दूर

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच जलाशयों में जलभराव तेजी से बढ़ा है। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट ने प्रशासन की चिंता बढ़ाई है, बैकुण्ठपुर विकासखंड की झुमका मध्यम परियोजना में 99 प्रतिशत तथा गेज मध्यम परियोजना में 101 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है, दोनों मध्यम परियोजनाओं को मिलाकर जलभराव 100 प्रतिशत दर्ज किया गया है,बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जल संसाधन विभाग के अमले को जलाशयों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में बारिश की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे जलाशयों,बांधों,नदी-नालों और जलप्रपातों के आसपास जाने से बचें,खासकर बच्चों को ऐसे स्थानों पर अकेले नहीं भेजने की सलाह दी गई है, जिला प्रशासन का जोर फिलहाल किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने और बारिश के दौरान नागरिकों को सुरक्षित रखने पर है,जिला कोरिया का झुमका बांध और गेज जलाशय जिले के प्रमुख जल संसाधन एवं प्राकृतिक स्थलों में शामिल हैं।

जलाशयों पर लगातार रखी जा रही नजर...

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ए. टोप्पो ने बताया कि जिले के जलाशयों के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है,लगातार बारिश को देखते हुए संबंधित अमला जलाशयों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है,इस समय सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बारिश के दौरान जलाशयों का जलस्तर तेजी से बदल सकता है,ऐसे में आम लोगों का जलाशयों के किनारे जाना जोखिमपूर्ण हो सकता है,प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि केवल मनोरंजन अथवा घूमने के उद्देश्य से ऐसे स्थानों पर जाने से बचें।

जलप्रपात और नदी-नालों से भी दूरी जरूरी...

बारिश के मौसम में जलप्रपातों, नदी-नालों और बांधों के आसपास पानी का बहाव अचानक बढ़ने की स्थिति बन सकती है,इसी को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने जिलेवासियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है,उन्होंने अभिभावकों से कहा है कि बच्चों को नदी,नाले, तालाब,डैम और जलप्रपात जैसे स्थानों पर अकेले नहीं भेजें,बच्चों को जलभराव वाले और फिसलन वाले स्थानों से भी दूर रखें,कलेक्टर की यह अपील ऐसे समय में सामने आई है जब जिले के प्रमुख जलाशयों में जलभराव उच्च स्तर पर पहुंच चुका है,प्रशासन का उद्देश्य लोगों को जोखिम वाले स्थानों से दूर रखकर बारिश के दौरान होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकना है।

झुमका 99 और गेज 101 प्रतिशत भराव पर-जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बैकुण्ठपुर विकासखंड में स्थित झुमका मध्यम परियोजना 99 प्रतिशत तथा गेज मध्यम परियोजना 101 प्रतिशत जलभराव की स्थिति में पहुंच गई है, दोनों परियोजनाओं को मिलाकर जलभराव 100 प्रतिशत दर्ज किया गया है, गेज परियोजना में 101 प्रतिशत जलभराव का आंकड़ा सामने आने के बाद जलाशय की स्थिति पर निगरानी और महत्वपूर्ण हो गई है।

वाहन चालकों के लिए भी जारी की गई विशेष अपील-लगातार बारिश के कारण जिले की सड़कों पर फिसलन और जलभराव की स्थिति बन सकती है,इसे देखते हुए कलेक्टर ने दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों से बारिश के दौरान विशेष सावधानी बरतने को कहा है, उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि अति आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें, बारिश के दौरान वाहन चलाते समय गति नियंत्रित रखें और फिसलन वाले मार्गों पर अतिरिक्त सावधानी बरतें,विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के लिए बारिश के दौरान सड़क पर फिसलन,पानी और अचानक सामने आने वाले गड्ढे खतरा पैदा कर सकते हैं,इसलिए प्रशासन ने सुरक्षित गति से वाहन चलाने पर जोर दिया है।

बिजली के खंभों और ट्रांसफार्मरों से रहें दूर-बारिश के दौरान विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने बिजली से जुड़े उपकरणों को लेकर भी सावधानी बरतने कहा है,कलेक्टर ने नागरिकों से बिजली के खंभों,तारों और ट्रांसफार्मरों से दूरी बनाए रखने की अपील की है,उन्होंने मवेशियों और अन्य पशुओं को भी ऐसे स्थानों से दूर रखने कहा है, बारिश के दौरान यदि किसी स्थान पर बिजली का तार टूटकर गिरा हो या विद्युत उपकरण के आसपास पानी जमा हो तो वहां जाने से बचने और तत्काल संबंधित विभाग अथवा स्थानीय प्रशासन को सूचना देने की सलाह दी गई है।

जर्जर भवनों में बच्चों को नहीं बैठाने के निर्देश-बारिश के दौरान केवल जलभराव ही नहीं,बल्कि पुराने और क्षतिग्रस्त भवन भी खतरे का कारण बन सकते हैं। इसे देखते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों,छात्रावासों और आश्रम शालाओं सहित अन्य भवनों की स्थिति पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए हैं,यदि किसी भवन में किसी प्रकार की क्षति दिखाई देती है या भवन जर्जर स्थिति में है तो ऐसे भवनों में बच्चों को नहीं बैठाने के निर्देश दिए गए हैं,प्रशासन ने संबंधित विभागों को ऐसी स्थिति की जानकारी तत्काल प्राप्त करने तथा आवश्यकता होने पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं,साथ ही नागरिकों से भी अपील की गई है कि किसी सरकारी अथवा सार्वजनिक भवन की स्थिति खराब नजर आने पर इसकी सूचना संबंधित विभाग या स्थानीय प्रशासन को दें।

आपात स्थिति में प्रशासन को दें सूचना-जिला प्रशासन ने जलभराव अथवा किसी अन्य आपात स्थिति में नागरिकों से तत्काल स्थानीय प्रशासन से संपर्क करने की अपील की है, इसके लिए बैकुण्ठपुर और सोनहत अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व),संबंधित तहसीलदार तथा स्थानीय प्रशासन से संपर्क किया जा सकता है,प्रशासन की अपील का उद्देश्य बारिश के दौरान लोगों को अनावश्यक जोखिम लेने से रोकना है,खासकर जलाशयों और जलप्रपातों के आसपास सेल्फी अथवा घूमने के लिए जाने से बचने,बच्चों को पानी के आसपास अकेला नहीं छोड़ने तथा जलभराव वाले रास्तों पर सावधानी बरतने पर जोर दिया गया है।

जलस्तर बढ़ने के साथ बढ़ी सतर्कता-कोरिया में झुमका और गेज मध्यम परियोजनाओं में दर्ज उच्च जलभराव के बीच प्रशासन और जल संसाधन विभाग की निगरानी अब महत्वपूर्ण हो गई है,जल संसाधन विभाग के अनुसार जलाशयों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है,दूसरी ओर कलेक्टर ने नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए बारिश के दौरान सुरक्षित रहने को प्राथमिकता देने कहा है।

CCTNS ऑपरेटरों को साइबर पोर्टल्स का प्रशिक्षण

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। साइबर अपराधों पर त्वरित कार्रवाई और शिकायतों के प्रभावी निराकरण के लिए सरगुजा पुलिस ने जिले के सभी थानों में पदस्थ CCTNS कंप्यूटर ऑपरेटरों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कार्यशाला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी रितेश चौधरी के नेतृत्व में हुई। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को गृह मंत्रालय एवं भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से जुड़े आधुनिक डिजिटल टूल्स और पोर्टल्स की सही जानकारी देना रहा। कार्यशाला में GRM पोर्टल के माध्यम से साइबर ठगी की शिकायतों पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों से समन्वय कर संदिग्ध खातों में रकम होल्ड या फ्रीज कराने की प्रक्रिया समझाई गई। वहीं MRM पोर्टल के जरिए ठगी की राशि को कानूनी प्रक्रिया के तहत पीड़ित के खाते में वापस कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसके अलावा साइबर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को जांच के बाद CCTNS में FIR में परिवर्तित करने, विभिन्न राज्यों की पुलिस के बीच साइबर अपराध संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए SAMANVAYA पोर्टल तथा साइबर अपराध जांच और डिजिटल फॉरेंसिक से जुड़े प्रशिक्षण के लिए CyTrain पोर्टल के उपयोग की जानकारी दी गई।

शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय अंबिकापुर में समूह रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय अंबिकापुर में समूह रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आकर्षक रंगोलियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से लोकतंत्र में मतदान के महत्व को प्रदर्शित किया तथा मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा मतदाताओं में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मतदान के महत्व के प्रति जनचेतना का प्रसार करना रहा।

सुपरमैन' रंजीत गुप्ता फिर मैदान में,नकली ढक्कनों और रैपरों का खेल उजागर

सूरजपुर में 12 लीटर मिलावटी शराब के साथ 2500 नकली ढक्कन और 200 रैपर जब्त,आरोपी भेजा गया जेल

-संवाददाता-

सूरजपुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। शराब के नाम पर लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ संभागीय आबकारी उड़नदस्ता ने सूरजपुर जिले में बड़ी कार्रवाई की है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी 'सुपरमैन' रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में कुमदा बस्ती में दबिश देकर कथित रूप से मिलावटी शराब तैयार करने और उसे ब्रांडेड शराब की बोतलों में भरने का मामला पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब 12 लीटर मिलावटी शराब, 2500 नग विभिन्न ब्रांड के ढक्कन, 200 नग नकली लेबल/रैपर और बड़ी संख्या में खाली शीशियां जब्त की हैं। आबकारी विभाग के अनुसार 25 सितंबर की शाम उड़नदस्ता टीम सूरजपुर जिले में गश्त पर थी। कुमदा चौक के पास मुखबिर से सूचना मिली कि कुमदा बस्ती निवासी चंद्रप्रकाश राजवाड़े अपने घर से शराब में मिलावट कर उसे बेच रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने उसके घर दबिश दी। तलाशी के दौरान एक कमरे में बड़ी संख्या में शराब की बोतलों के ढक्कन, लेबल, खाली शीशियां और शराब मिली। सबसे

गंभीर बात यह सामने आई कि अलग-अलग ब्रांड के नाम वाले ढक्कन और रैपर के साथ मैकडॉवेल नंबर वन,रॉयल स्टैग, गोवा और इंपीरियल ब्लू जैसी ब्रांडेड शराब की शीशियों में कथित मिलावटी शराब भरी हुई मिली। बरामद सामग्री को देखकर मामला केवल अवैध शराब रखने तक सीमित नहीं, बल्कि ब्रांडेड शराब की पैकिंग का इस्तेमाल कर मिलावटी शराब को असली बताकर खपाने की आशंका से भी जुड़ता दिखाई देता है।

'सुपरमैन' की टीम ने फिर पकड़ा मिलावट का खेल : सहायक जिला आबकारी अधिकारी सुपरमैन रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में उड़नदस्ता टीम की शराब और नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई पहले भी सामने आती रही है। मई 2025 में मठपारा में तीन लोगों से महुआ शराब और बड़ी मात्रा में महुआ लाहन जब्त कर उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई रिपोर्ट हुई थी। सूरजपुर में जनवरी 2025 में इससे भी मिलता-जुलता मामला सामने आया था। उस समय उक्त के नेतृत्व वाली टीम ने प्रतापपुर की विदेशी मदिरा दुकान से कथित मिलावटी शराब के साथ बड़ी संख्या में खाली बोतलें,लेबल और हजारों ढक्कन बरामद किए थे। यानी सवाल सिर्फ एक आरोपी की गिरफ्तारी का नहीं है। एक साल से अधिक समय बाद भी अगर इसी तरह नकली ढक्कन,रैपर और खाली बोतलों के जरिए मिलावटी शराब तैयार करने का खेल सामने आ रहा है तो आखिर इस कारोबार की जड़ें कितनी गहरी हैं?

2500 ढक्कन और 200 रैपर... सवाल सिर्फ 12 लीटर शराब का नहीं: मामले में बरामद 12 लीटर मिलावटी शराब की मात्रा से ज्यादा ध्यान खींचने वाली सामग्री है–2500 ढक्कन और करीब 200 रैपर। इतनी बड़ी संख्या में पैकिंग सामग्री का मिलना इस बात की जांच की जरूरत पैदा करता है कि यह सामग्री आरोपी तक कहां से पहुंची और क्या इसके पीछे कोई बड़ा सप्लाई नेटवर्क है। यदि जांच केवल आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने तक सीमित रहती है तो असली सवाल अधूरा रह जाएगा। यह पता लगाना भी जरूरी होगा कि नकली ढक्कन और रैपर कहां से खरीदे गए, खाली बोतलें कहां से आईं और तैयार माल किन इलाकों में खपाया जाना था।

पुराने मामले के बाद फिर वही कहानी : आबकारी विभाग की कार्रवाई यह जरूर बताती है कि उड़नदस्ता टीम को सूचना मिली और उसने तत्काल दबिश देकर कथित मिलावटखोरी पकड़ी। लेकिन दूसरी तरफ पुराने मामलों को देखते हुए यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या गिरफ्तारियों के बावजूद ऐसे नेटवर्क पूरी तरह समाप्त हो पा रहे हैं? जनवरी 2025 के प्रतापपुर मामले में भी बड़ी संख्या में खाली बोतल, रैपर और ढक्कन बरामद हुए थे। अब सितंबर 2026 में कुमदा बस्ती में फिर लगभग 2500 ढक्कन और 200 रैपर मिलना बताता है कि नकली पैकिंग के जरिए शराब में मिलावट का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। मध्यप्रदेश में मिलावटी शराब से मौतों की घटनाओं के बाद छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ सख्ती के निर्देश दिए हैं। ऐसे में इस तरह की कार्रवाई जरूरी भी है, लेकिन कार्रवाई की असली सफलता केवल कितने आरोपी जेल गए,इससे नहीं बल्कि यह पता चलने से होगी कि नकली शराब बनाने और खपाने वाली पूरी कड़ी कहां से संचालित हो रही है। आबकारी विभाग ने आरोपी चंद्रप्रकाश राजवाड़े के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1),34(2),38(क) और 59(क) के तहत कार्रवाई करते हुए 26 सितंबर को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजे जाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक टी.आर. केहरी,सहायक उपनिरीक्षक रमेश दुबे,प्रधान आबकारी आरक्षक अशोक सोनी,नगर सैनिक रोहित सोनवानी सहित अन्य कर्मचारियों की भूमिका बताई गई है।अब निगाह इस बात पर रहेगी कि 'सुपरमैन' रंजीत गुप्ता की यह कार्रवाई सिर्फ एक कमरे तक सीमित रहती है या 2500 ढक्कनों के पीछे छिपे संभावित नेटवर्क तक भी जांच पहुंचती है।

फर्जी वन अधिकार पट्टे बनाकर 10 एकड़ जंगल कब्जाने की कोशिश,पांच गिरफ्तार

15 हजार रुपए में तैयार कराए थे तीन फर्जी पट्टे,जांच में सरकारी रिकॉर्ड में नहीं मिला कोई उल्लेख

-संवाददाता-

बलरामपुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। शासकीय वन भूमि पर कब्जा करने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार कराने के मामले में चलगली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि फर्जी वन अधिकार पट्टों के सहारे करीब 10 एकड़ यानी 4 हेक्टेयर शासकीय वन भूमि पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही थी। पुलिस ने फर्जी दस्तावेज जब्त करने के साथ सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मामले का खुलासा उस समय हुआ, जब मानिकपुर सर्किल के वनपाल अनिल कुजूर को ग्रामीणों से सूचना मिली कि बीट मुरका के कक्ष क्रमांक पी-3493 में शिवलाल नामक व्यक्ति झोपड़ी

बनाकर शासकीय वन भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शिवलाल से भूमि से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा। इस पर शिवलाल ने अपने, अपनी पत्नी रमपतिया और बेटे रामकुमार के नाम से जारी तीन वन अधिकार पट्टे अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए। दस्तावेजों पर संदेह होने के बाद वन विभाग ने इनकी जांच कलेक्टर भू-अभिलेख कार्यालय से कराई। जांच में संबंधित पट्टों का दायरा पंजी में कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। इसके बाद दस्तावेजों के फर्जी होने की बात सामने आई। पुलिस पूछताछ में शिवलाल ने कथित तौर पर बताया कि उसने वर्ष 2025 में रामशकल नामक व्यक्ति को 15 हजार रुपए नगद देकर ये फर्जी पट्टे तैयार करवाए थे। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस के अनुसार फर्जी पट्टे तैयार करने और उन्हें पैसे लेकर लोगों को उपलब्ध कराने में शंकरनाथ पाण्डेय और कुंजन रजक की भूमिका सामने आई। पुलिस ने मामले में शिवलाल निवासी केरता/ चैनपुर, थाना चलगली, उसके पुत्र रामकुमार,रामशकल निवासी कोटरकी,थाना चलगली तथा शंकरनाथ पाण्डेय और कुंजन रजक निवासी बरतीकला,चौकी वाड्रफनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मामले में थाना चलगली में अपराध क्रमांक 57/2026 दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 336(3), 338 एवं 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। फर्जी वन अधिकार पट्टे जब्त करने और जांच में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद पांचों आरोपियों को 25 सितंबर 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

त्योहारों से पहले बलरामपुर पुलिस अलर्ट लंबित मामलों के जल्द निराकरण के निर्देश

-संवाददाता-

बलरामपुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और लंबित अपराधों के त्वरित निराकरण को लेकर बलरामपुर पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में एसपी वैभव बैंकर की अध्यक्षता में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ सभी थाना एवं चौकी प्रभारी शामिल हुए। बैठक में एसपी ने एक वर्ष से अधिक समय से लंबित गंभीर अपराधों, चिटफंड एवं धोखाधड़ी के मामलों तथा पीड़ित मुआवजा योजनाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने और जांच में अनावश्यक देरी नहीं करने के निर्देश दिए। नशे के कारोबार पर कार्रवाई को लेकर एसपी ने

एनडीपीएस एक्ट के मामलों में प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया। उन्होंने नशीले पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की राजसाती की कार्रवाई, आरोपियों के बैकवर्ड-फॉरवर्ड लिंकेज की जांच तथा नशे के कारोबार से जुड़े आर्थिक लेन-देन की पड़ताल करने के निर्देश दिए। साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौती को देखते हुए 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। बैठक में म्यूल अकाउंट, फेक APK, ओटीपी फ्रॉड और सोशल इंजीनियरिंग जैसे साइबर अपराधों के नए तरीकों से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित करने पर भी जोर दिया गया।

बैकुंठपुर में भाजपा का टिकट संग्राम

पुराने अनुभव पर भरोसा या युवाओं को मौका?

भाजपा में टिकट की कतार लंबी,कुर्सी एक-बैकुंठपुर में किसे मिलेगा नेतृत्व का मौका?

बैकुंठपुर में भाजपा का अगला चेहरा कौन? 'पुराने भरोसे' और 'नई पीढ़ी' के बीच घमासान...

दावेदार दो दर्जन,टिकट एक: बैकुंठपुर में भाजपा के सामने सबसे बड़ा सियासी फैसला...

पटना के बाद बैकुंठपुर में भाजपा का नया प्रयोग? युवा चेहरों ने बढ़ाई टिकट की दावेदारी

बैकुंठपुर भाजपा में नेतृत्व परिवर्तन की आहट! युवाओं ने पुराने चेहरों के सामने खड़ी की चुनौती...

अध्यक्ष पद के लिए दावेदारों की लंबी कतार,50 से कम उम्र के चेहरों ने बढ़ाई दावेदारी,पटना का चुनाव भाजपा को दे चुका है नए चेहरों का संकेत

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में प्रस्तावित दिसंबर 2026 का नगर पालिका चुनाव भाजपा के लिए सामान्य निकाय चुनाव से कहीं अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है,राज्य की सत्ता में भाजपा की वापसी के बाद यह चुनाव शहर में पार्टी के जनाधार,संगठन की पकड़ और सरकार के प्रति स्थानीय मतदाताओं के रुझान को परखने का बड़ा अवसर होगा, लेकिन चुनाव मैदान में उतरने से पहले ही भाजपा के सामने एक ऐसा सवाल खड़ा हो गया है,जिसका जवाब टिकट वितरण के साथ मिलेगा...क्या पार्टी बैकुंठपुर में नेतृत्व की कमान नई पीढ़ी के हाथों में सौंपेगी या फिर वर्षों से राजनीति और संगठन में सक्रिय पुराने चेहरों पर ही भरोसा जताएगी? बैकुंठपुर नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए इस बार सामान्य सीट होने से दावेदारी का दायरा काफी व्यापक हो गया है, राजनीतिक हलकों में भाजपा से कई नामों की चर्चा चल रही है,इनमें लंबे समय से राजनीति में सक्रिय वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ अपेक्षाकृत युवा चेहरे भी अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं,अगस्त 2026 की स्थानीय राजनीतिक रिपोर्टों में शैलेश शिवहरे, भानु पाल,शारदा प्रसाद गुप्ता,कमलेश शर्मा और प्रशांत गुप्ता सहित कई नाम चर्चा में बताए गए हैं,पार्टी ने अभी अधिकृत प्रत्याशी घोषित नहीं किया है,यही स्थिति भाजपा के लिए अवसर भी है और चुनौती भी।

वरिष्ठों का अनुभव बनाम युवाओं की ऊर्जा

भाजपा के सामने एक तरफ ऐसे नेता हैं जिन्होंने दशकों तक पार्टी और संगठन को समय दिया है,उनके पास कार्यकर्ताओं का नेटवर्क है,चुनावी अनुभव है और शहर के राजनीतिक समीकरणों की गहरी समझ है,दूसरी ओर नई पीढ़ी के दावेदार हैं,जो अपने साथ नई ऊर्जा, नई सोच और शहर के युवाओं से सीधा जुड़ाव होने का दावा कर रहे हैं,इसलिए इस बार टिकट की लड़ाई को केवल वरिष्ठ बनाम युवा के रूप में देखना भी पर्याप्त नहीं होगा,असल सवाल होगा की कौन सा चेहरा भाजपा के वोट को बढ़ा सकता है? कौन सा उम्मीदवार पार्टी के पारंपरिक मतदाताओं के साथ-साथ नए मतदाताओं को भी अपने साथ जोड़ सकता है? कौन सा चेहरा व्यक्तिगत स्तर पर इतना स्वीकार्य है कि पार्टी के बाहर का मतदाता भी उसके पक्ष में मतदान करने को तैयार हो? और सबसे महत्वपूर्ण की कौन सा उम्मीदवार टिकट न मिलने वाले बाकी दावेदारों को भी अपने साथ लेकर चल सकता है?

अध्यक्ष पद की दौड़ में दो दर्जन के आसपास नाम,टिकट एक

बैकुंठपुर में अध्यक्ष पद को लेकर दावेदारों की संख्या बढ़ती जा रही है, सामान्य सीट होने के कारण इस बार राजनीतिक,सामाजिक,व्यापारिक और संगठनात्मक पृष्ठभूमि वाले कई लोग अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं,स्थानीय राजनीतिक रिपोर्टों में भाजपा के संभावित चेहरों के रूप में शैलेश शिवहरे,भानु पाल,अनिल खटिक,पंकज गुप्ता और शारदा प्रसाद गुप्ता के नाम पहले से चर्चा में हैं,वहीं प्रशांत गुप्ता की संभावित दावेदारी की चर्चा ने भी समीकरणों को और व्यापक किया है,हालांकि इन सभी नामों को पार्टी की आधिकारिक दावेदारी या टिकट का संकेत मानना अभी उचित नहीं होगा,यानी फिलहाल बैकुंठपुर में सबसे बड़ी भीड़ चुनाव मैदान में नहीं,टिकट की कतार में दिखाई दे रही है।

सवाल सिर्फ टिकट का नहीं,अगली पीढ़ी को नेतृत्व सौंपने का है-बैकुंठपुर की भाजपा राजनीति में इस समय एक बात खास तौर पर चर्चा में है इस बार अवसर युवाओं को मिलना चाहिए,50 वर्ष से कम उम्र के कई संभावित दावेदारों के बीच यह भावना दिखाई दे रही है कि संगठन के लिए लंबे समय से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अब चुनावी नेतृत्व में भी अवसर मिलना चाहिए,उनका तर्क है कि यदि युवाओं को बूथ,मंडल, संगठनात्मक अभियान,सामाजिक कार्यक्रम और पार्टी की विभिन्न गतिविधियों में लगातार जिम्मेदारियां दी जा रही हैं, तो नगरपालिका जैसे बड़े चुनाव में नेतृत्व का अवसर भी मिलना चाहिए,यह मांग केवल उम्र के आधार पर टिकट की मांग नहीं है,इसके पीछे एक राजनीतिक तर्क भी है की बैकुंठपुर बदल रहा है और शहर के मतदाता भी बदल रहे हैं,ऐसे में क्या नेतृत्व का चेहरा भी बदलना चाहिए? यही सवाल भाजपा के सामने है।

पटना नगर पंचायत का चुनाव भाजपा के लिए बना आईना-बैकुंठपुर में भाजपा के सामने सबसे दिलचस्प उदाहरण जिले की ही नगर पंचायत पटना का है,फरवरी 2025 में हुए पटना नगर पंचायत चुनाव में भाजपा की गायत्री सिंह अध्यक्ष निर्वाचित हुईं, उन्हें 1,293 मत मिले,जबकि निकटतम प्रमुख प्रतिद्वंद्वी को 1,184 मत प्राप्त हुए,15 वार्डों में कांग्रेस ने 8,भाजपा ने 5 और निर्दलीयों ने 2 वार्ड जीते,भाजपा ने पटना में अध्यक्ष पद के लिए गायत्री सिंह को अधिकृत प्रत्याशी बनाया था,भाजपा ने इस चुनाव में जीत हासिल की, लेकिन वार्डों का परिणाम पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत भी लेकर आया–अध्यक्ष पद की जीत अपने आप में पूरी परिषद पर कब्जे की गारंटी नहीं है, यही बात बैकुंठपुर में भाजपा को समझनी होगी।

पटना की जीत का श्रेय सिर्फ पार्टी लहर को देना आसान,लेकिन असली संदेश उम्मीदवार चयन में-भाजपा के लिए पटना का चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि स्थानीय स्तर पर पार्टी के प्रत्याशी चयन और चुनावी प्रबंधन ने यह दिखाया कि अपेक्षाकृत नए चेहरों को भी अवसर देकर चुनाव जीता जा सकता है,लेकिन बैकुंठपुर में पटना के परिणाम को हूबहू दोहराना संभव नहीं है,दोनों निकायों का आकार, मतदाता संरचना, राजनीतिक इतिहास और स्थानीय समीकरण अलग हैं,फिर भी पटना का चुनाव भाजपा को एक सवाल जरूर देता है क्या हर चुनाव में पुराने नाम ही जरूरी हैं,या सही समय पर नया चेहरा भी पार्टी को जीत दिला सकता है? यही सवाल अब बैकुंठपुर के टिकट चयन के केंद्र में है।

पुराने नेताओं की दावेदारी को भी नजरअंदाज करना आसान नहीं-यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि युवाओं के बढ़ते दबाव के बीच भाजपा अपने वरिष्ठ नेताओं के अनुभव को अचानक दरकिनार कर दे,यह भी आसान फैसला नहीं होगा,कई वरिष्ठ दावेदार वर्षों से संगठन के लिए काम कर रहे हैं,उनके पास वार्ड स्तर से लेकर शहर और पार्टी संगठन तक का अनुभव है,ऐसे नेताओं का तर्क स्वाभाविक है कि नगरपालिका चुनाव केवल युवाओं के उत्साह से नहीं,बल्कि संगठन,प्रबंधन और चुनावी अनुभव से भी जीता जाता है,यानी भाजपा के सामने दो मजबूत तर्क हैं,युवाओं का तर्क–अब अवसर हमारा,वरिष्ठों का तर्क–अनुभव को नजरअंदाज कर जोखिम क्यों? इन दोनों के बीच संतुलन बनाना भाजपा नेतृत्व के लिए सबसे कठिन काम होगा।

पार्षदों के टिकट में भी दिखेगा भाजपा का मूड-अध्यक्ष पद से भी अधिक महत्वपूर्ण भाजपा के लिए वार्ड प्रत्याशियों का चयन हो सकता है,यदि अध्यक्ष पद पर युवा चेहरा उतार दिया गया,लेकिन पार्षद पदों पर पुराने चेहरों का दबदबा कायम रहा तो पार्टी के भीतर उठ रहे 'नई पीढ़ी को अवसर' के सवाल का जवाब अधूरा रह जाएगा,वहीं यदि भाजपा बड़ी संख्या में नए चेहरों को वार्डों में उतारती है तो यह साफ संदेश होगा कि पार्टी बैकुंठपुर में स्थानीय नेतृत्व की नई टीम तैयार करना चाहती है,इसलिए अध्यक्ष के साथ पार्षद प्रत्याशियों की सूची भी भाजपा की रणनीति को पढ़ने का महत्वपूर्ण दस्तावेज होगी।

टिकट जितना आसान नहीं, टिकट के बाद बगावत रोकना उससे बड़ा काम-भाजपा के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती केवल योग्य उम्मीदवार चुनने की नहीं है, सबसे बड़ी चुनौती टिकट के बाद असंतोष रोकने की होगी,जब दो दर्जन के करीब नाम चर्चा में हों और टिकट केवल एक को मिलना हो,तो बाकी दावेदारों को साथ रखना अपने आप में राजनीतिक कौशल की परीक्षा होगी, जिसे टिकट नहीं मिला,यदि वह पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के लिए काम करता है तो दावेदारी की पूरी प्रक्रिया पार्टी की ताकत बनेगी, लेकिन यदि असंतोष खुलकर सामने आता है, बगावत होती है या समर्थक निष्क्रिय होते हैं तो बड़ी दावेदारी भी चुनावी कमजोरी में बदल सकती है। इसलिए भाजपा को केवल 'कौन जीत सकता है'नहीं देखना होगा,बल्कि यह भी देखना होगा कि 'किसके पीछे पार्टी पूरी तरह एकजुट हो सकती है।'

'ट्रिपल इंजन' के नारे की असली परीक्षा स्थानीय स्तर पर-केंद्र और राज्य में भाजपा की सत्ता के बाद स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी के लिए 'ट्रिपल इंजन' का राजनीतिक संदेश महत्वपूर्ण हो जाता है, बैकुंठपुर नगर पालिका में भाजपा की जीत होने पर पार्टी यह तर्क रख सकती है कि केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय में तीनों स्तरों पर एक ही राजनीतिक व्यवस्था होने से विकास कार्यों में बेहतर समन्वय संभव होगा,लेकिन मतदाता के लिए सवाल केवल सरकारों के एक दल का होने का नहीं होगा,शहर का मतदाता पूछेगा–सड़क कैसी है?नाली कैसी है?पानी की व्यवस्था कैसी है? सफाई कैसी है? बाजार और यातायात की स्थिति क्या है? नगरपालिका की सेवाएं कितनी बेहतर हुईं? इसलिए भाजपा के लिए सत्ता का लाभ तभी वोट में बदल सकेगा, जब उम्मीदवार इन स्थानीय सवालों का जवाब देने में सक्षम होगा।

युवा चेहरा उतारा तो भाजपा को क्या मिलेगा?-यदि भाजपा 50 वर्ष से कम उम्र के किसी युवा चेहरे को मैदान में उतारती है तो पार्टी को कई राजनीतिक लाभ मिल सकते हैं,पहला–नई पीढ़ी के मतदाताओं में उत्साह, दूसरा–पुराने राजनीतिक समीकरणों से बाहर निकलने का संदेश,तीसरा–पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन की शुरुआत का संकेत,चौथा–भविष्य के लिए स्थानीय नेतृत्व की नई टीम तैयार करने का अवसर,लेकिन इसके साथ जोखिम भी होगा,यदि युवा उम्मीदवार के पास पर्याप्त संगठनात्मक अनुभव नहीं हुआ या वार्ड स्तर पर मजबूत नेटवर्क नहीं बना पाया तो केवल 'नया चेहरा' होना चुनाव जीतने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

पुराने चेहरे को मौका दिया तो पार्टी को क्या मिलेगा?-दूसरी ओर अनुभवी उम्मीदवार को टिकट देने पर संगठन को तैयार नेटवर्क,पुराने कार्यकर्ताओं से संपर्क और चुनावी प्रबंधन का लाभ मिल सकता है,लेकिन इसके साथ पार्टी को यह भी देखना होगा कि वह चेहरा शहर के वर्तमान मतदाता के साथ कितना जुड़ा है, क्योंकि चुनाव में केवल पार्टी का पुराना कार्यकर्ता वोट नहीं देता,युवा, महिला, व्यापारी,कर्मचारी,नए मतदाता,मध्यम वर्ग और वे लोग भी मतदान करते हैं जो किसी पार्टी के स्थायी मतदाता नहीं हैं,यही वर्ग चुनाव का परिणाम बदल सकता है।

बैकुंठपुर में भाजपा के सामने सबसे बड़ा राजनीतिक प्रयोग-दिसंबर 2026 का बैकुंठपुर नगरपालिका चुनाव भाजपा के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी के पास एक साथ तीन चीजें हैं सत्ता, संगठन और दावेदारों की बड़ी संख्या,अब देखना यह है कि पार्टी इन तीनों को चुनावी ताकत में कैसे बदलती है,यदि टिकट चयन में व्यापक स्वीकार्यता,युवा ऊर्जा और संगठनात्मक अनुभव का संतुलन बैठ गया तो भाजपा मजबूत स्थिति में उतर सकती है, लेकिन यदि टिकट का फैसला किसी एक गुट या चेहरे के पक्ष में जाता दिखाई दिया और बाकी दावेदारों को साथ नहीं रखा गया तो यही लंबी दावेदारी पार्टी के लिए परेशानी भी बन सकती है।

अब असली सवाल...भाजपा बैकुंठपुर में क्या प्रयोग करेगी?

क्या पार्टी दशकों से नेतृत्व करते आ रहे चेहरों में से किसी एक पर फिर भरोसा करेगी? क्या 50 वर्ष से कम उम्र के किसी युवा चेहरे को मौका देकर नई राजनीतिक पारी की शुरुआत करेगी? क्या पटना नगर पंचायत के चुनाव से मिले संकेत को बैकुंठपुर में भी आजमाएगी? या फिर अनुभव और संगठनात्मक पकड़ को प्राथमिकता देकर पुराने नेतृत्व के साथ ही आगे बढ़ेगी? फिलहाल भाजपा ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन दावेदारों की बढ़ती संख्या और युवाओं की बढ़ती सक्रियता ने यह साफ कर दिया है कि बैकुंठपुर में इस बार टिकट सिर्फ एक व्यक्ति का चयन नहीं होगा–यह भाजपा के अगले कई वर्षों के स्थानीय नेतृत्व की दिशा भी तय कर सकता है,क्योंकि दिसंबर में जनता सिर्फ अध्यक्ष नहीं चुनेगी, भाजपा के उस चेहरे पर भी फैसला सुनाएगी जिसे पार्टी बैकुंठपुर के भविष्य का चेहरा बनाकर मैदान में उतारेगी, और शायद यही वजह है कि बैकुंठपुर में चुनाव से पहले सबसे बड़ा चुनाव भाजपा के भीतर ही शुरू हो चुका है–'पुराने भरोसे' और 'नई पीढ़ी' के बीच।

विश्व पर्यटन दिवस पर पर्यटन व तीर्थ स्थलों में होगा सामूहिक स्वच्छता श्रमदान

'स्वच्छ पर्यटन स्थल' की थीम पर चलेगा अभियान,पंचायत प्रतिनिधियों के साथ महिलाएं,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,शिक्षक और स्थानीय नागरिक भी होंगे शामिल

-संवाददाता-

सूरजपुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर सूरजपुर जिले के पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से सामूहिक स्वच्छता श्रमदान अभियान आयोजित किया जाएगा,यह आयोजन 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'सेवा मेरा योगदान' गतिविधि के अंतर्गत किया जा रहा है।

अभियान के दौरान पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों से जुड़े ग्राम पंचायत क्षेत्रों में स्थानीय नागरिक सामूहिक रूप से श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान में भाग लेंगे,इसका उद्देश्य पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर लोगों में अपने आसपास के पर्यटन और धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखने के प्रति जिम्मेदारी एवं जनभागीदारी की भावना को बढ़ावा देना है।

स्थानीय नागरिकों की रहेगी सक्रिय भागीदारी-अभियान में ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच,सचिव, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,शिक्षक,समाजसेवी और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी,इनके साथ स्थानीय नागरिक भी सामूहिक श्रमदान में शामिल होकर पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों की साफ-सफाई करेंगे,स्वच्छता अभियान के माध्यम से लोगों को यह संदेश देने का प्रयास किया जाएगा कि पर्यटन स्थलों को केवल प्रशासन के भरोसे स्वच्छ नहीं रखा जा सकता, बल्कि इसके लिए स्थानीय समुदाय की निरंतर भागीदारी जरूरी है।

'स्वच्छ पर्यटन स्थल' होगी अभियान की थीम-विश्व पर्यटन

दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इस अभियान की मुख्य थीम 'स्वच्छ पर्यटन स्थल'रखी गई है,इसके माध्यम से पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने, कचरा नहीं फैलाने और सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई में नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा, सूरजपुर जिले में पर्यटन और धार्मिक महत्व के कई स्थल हैं, जिला प्रशासन की वेबसाइट भी जिले के पर्यटन स्थलों में सारासोर मंदिर और झील,रामानुजनगर का कुमेली झरना तथा कुदरगढ़ मंदिर जैसे स्थलों को प्रदर्शित करती है।

श्रमदान से स्वच्छता के साथ जागरूकता का संदेश-अभियान का उद्देश्य केवल एक दिन साफ-सफाई करना नहीं,बल्कि पर्यटन स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए लोगों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है,सामूहिक श्रमदान के जरिए स्थानीय लोगों को यह संदेश दिया जाएगा कि पर्यटन स्थलों की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है, अभियान में स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कर पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों के प्रति अपनत्व और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

स्वच्छता के साथ पर्यटन को बेहतर बनाने की पहल-पर्यटन स्थल किसी भी जिले की पहचान और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जुड़े होते हैं, ऐसे स्थानों की साफ-सफाई और बेहतर रखरखाव से वहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को भी बेहतर वातावरण मिलता है,इसी उद्देश्य से विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर आयोजित यह सामूहिक श्रमदान अभियान स्वच्छता, जनभागीदारी और पर्यटन स्थलों के संरक्षण का संदेश देगा,जिला प्रशासन की वेबसाइट पर भी पर्यटन स्थलों को जिले की प्रमुख पहचान के रूप में प्रदर्शित किया गया है,अभियान का मूल संदेश यही रहेगा...पर्यटन स्थल जितने स्वच्छ और सुंदर होंगे,उतना ही स्थानीय समुदाय और पर्यटकों के लिए उनका महत्व और आकर्षण बढ़ेगा।

सोनहत में आफत की बारिश : वनांचल जलमग्न,जर्जर सड़कों और टूटी पुलियों ने काटा मुख्यालय से संपर्क

सोनहत में बारिश की मार: पंडोपारा दलदल,कुरथी जलमग्न,गिधेर की टूटी पुलिया 12 साल से इंतजार में...

- 12 साल से पुल का इंतजार,हर बरसात में संपर्क संकट...सोनहत के वनांचल की यही कहानी...
- सोनहत में आफत की बारिश : वनांचल जलमग्न,जर्जर सड़कों और टूटी पुलियों ने तोड़ा मुख्यालय से संपर्क...
- बारिश बनी आफत,सोनहत के वनांचल बेहाल,सड़कें दलदल,पुल-पुलियां बनीं मुसीबत...
- हर बारिश में टूटता सोनहत का संपर्क,गिधेर में 12 साल से पुल अधूरा,गांवों की राह बनी आफत...
- सोनहत के वनांचल में बारिश ने खोली बदहाल सड़कों की पोल,कई गांवों का मुख्यालय से संपर्क प्रभावित

- पानी,कीचड़ और टूटे रास्ते...सोनहत में बारिश ने बढ़ाई ग्रामीणों की मुसीबत...
- बारिश आई तो सामने आई वर्षों की बदहाली,सोनहत में सड़क-पुलिया ने रोका ग्रामीणों का रास्ता
- वनांचल में आफत की बारिश,सोनहत की सड़कें बनीं दलदल,गिधेर से लेकर कर्री पटेलपारा तक संकट
- सोनहत में सड़क-पुलिया की बदहाली पर बारिश का प्रहार,गांवों की जिंदगी हुई दुश्वार

-राजन पाण्डेय-

सोनहत/कोरिया,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने सोनहत विकासखंड के ग्रामीण और वनांचल इलाकों में जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है,बारिश का पानी जहां कई बस्तियों और रास्तों में जमा हो गया है,वहीं वर्षों से जर्जर सड़कों और क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों ने ग्रामीणों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं,सामान्य दिनों में जैसे-तैसे चलने वाले रास्ते बारिश के बाद कीचड़, दलदल,गड्ढों और फिसलन में बदल गए हैं, कई स्थानों पर दोपहिया वाहन चलाना मुश्किल है तो कुछ इलाकों में चारपहिया वाहनों की पहुंच भी प्रभावित हो गई है,सबसे गंभीर स्थिति उन वनांचल क्षेत्रों में है,जहां सड़क और पुल-पुलिया ही मुख्यालय तथा स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का एकमात्र साधन हैं,गिधेर में करीब 12 साल से पुल का इंतजार अब बारिश के मौसम में ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बनकर सामने आया है,वहीं कुरथी,सेमरिया,पंडोपारा,खुटारा पारा,डोकाबूढ़ा बांध मार्ग और उरांवपारा-धुम्माडांड़ सहित कई इलाकों में आवागमन बुरी तरह प्रभावित है।

पंडोपारा में सड़क नहीं,दलदल से गुजर रहे ग्रामीण-सोनहत विकासखंड मुख्यालय के आसपास की स्थिति भी बेहतर नहीं है,पंडोपारा की सड़क बारिश के बाद दलदल में तब्दील हो गई है,सड़क पर जगह-जगह कीचड़ और पानी जमा होने से फिसलन बढ़ गई है,स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश के दौरान रास्ते की हालत इतनी खराब हो जाती है कि कई बार वाहन बस्ती तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता है,इसका सबसे अधिक असर बुजुर्गों,बच्चों और बीमार लोगों पर पड़ता है,बारिश के दिनों में यदि किसी परिवार को मरीज को अस्पताल ले जाना पड़े या जरूरी सामान लाना हो तो खराब सड़क परेशानी को और बढ़ा देती है।

खुटारापारा और डोकाबूढ़ा बांध मार्ग पर कीचड़ और गड्ढों का कब्जा-खुटारापारा और डोकाबूढ़ा बांध के दोनों तरफ के रास्ते भी लगातार बारिश के कारण बदहाल हो गए हैं,सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ जमा है,ग्रामीणों के लिए पैदल निकलना तक कठिन हो गया है,बारिश के दौरान फिसलन बढ़ने से दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना रहता है,ग्रामीणों का कहना है कि इन मार्गों की समस्या नई नहीं है,सामान्य दिनों में किसी तरह आवागमन हो जाता है,लेकिन बरसात आते ही सड़क की वास्तविक स्थिति सामने आ जाती है।

उरांवपारा-धुम्माडांड़ में रास्ते पर पानी और कीचड़-उरांवपारा धुम्माडांड़ क्षेत्र में भी बारिश ने ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित कर दी है,रास्ते पर पानी और कीचड़ जमा होने से मुख्य मार्ग तक पहुंचना कठिन हो गया है, यह समस्या सिर्फ आने-जाने तक सीमित नहीं है,ग्रामीणों के दैनिक जीवन से जुड़ी जरूरतें–राशन,बाजार,स्वास्थ्य सेवा और अन्य जरूरी काम–मुख्यालय और मुख्य मार्ग से जुड़े हैं,ऐसे में संपर्क मार्ग खराब होने का सीधा असर ग्रामीण परिवारों पर पड़ता है।

गिधेर में 12 साल से पुल का इंतजार, हर बारिश में फिर वही संकट-सोनहत के वनांचल ग्राम गिधेर की समस्या सबसे गंभीर बताई जा रही है, ग्रामीणों के अनुसार नदी पर बना पुल करीब 12 वर्ष पहले टूट गया था, लेकिन आज तक उसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है,बारिश के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ आवागमन और भी कठिन हो जाता है,ग्रामीणों के सामने मुख्यालय तक पहुंचने की चुनौती खड़ी हो जाती है,सबसे बड़ी चिंता आपातकालीन परिस्थितियों को लेकर है, यदि किसी व्यक्ति की तबीयत बिगड़ जाए, दुर्घटना हो जाए या गर्भवती महिला को तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने की जरूरत पड़े,तो खराब संपर्क मार्ग बड़ी बाधा बन सकता है,12 साल का इंतजार अब सिर्फ एक पुल का इंतजार नहीं रह गया है,बल्कि यह वनांचल क्षेत्र में बुनियादी संपर्क व्यवस्था की लंबी अनदेखी का सवाल बन चुका है।

कुरथी में एक पारा जलमग्न,घरों से निकलना मुश्किल-ग्राम कुरथी के वनांचल क्षेत्र के एक पारे में बारिश के बाद रास्ता जलमग्न हो गया है,लगातार पानी जमा होने से ग्रामीणों की आवाजाही लगभग ठप्प जैसी स्थिति में पहुंच गई है, स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश जारी रहने पर समस्या और गंभीर हो सकती है,रास्ते पर पानी का स्तर बढ़ने से लोगों के लिए मुख्य मार्ग तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है,वनांचल क्षेत्र में ऐसी स्थिति का असर सबसे पहले दैनिक जरूरतों और स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ता है।

सेमरिया की टूटी पुलिया बरसात में बनी मुसीबत-ग्राम सेमरिया में लंबे समय से खराब पड़ी पुलिया भी बारिश के दौरान बड़ी समस्या बन गई है,बारिश बढ़ने के साथ पानी का बहाव बढ़ रहा है और पुलिया की खराब स्थिति के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है, ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया की मरम्मत या पुनर्निर्माण का स्थायी समाधान नहीं होने के कारण हर बरसात में उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है।

सोनहत से कर्री पटेलपारा मार्ग भी बदहाल-बारिश ने सोनहत से कर्री पटेलपारा को जोड़ने वाले मार्ग की हालत भी बिगाड़ दी है,सड़क पर जगह-जगह कीचड़, गड्ढे और फिसलन के कारण आवागमन मुश्किल हो गया है,दोपहिया वाहन चालकों के लिए सड़क पर फिसलने का खतरा बना हुआ है,जबकि चारपहिया वाहनों को भी खराब हिस्सों से गुजरने में परेशानी हो रही है,ग्रामीणों के अनुसार बारिश के मौसम में यह समस्या हर वर्ष बढ़ जाती है। सोनहत मुख्यालय तक पहुंचना स्वास्थ्य सेवाओं,बाजार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए आवश्यक है,लेकिन सड़क की खराब स्थिति लोगों की परेशानी बढ़ा रही है,ग्रामीणों ने तत्काल मार्ग की मरम्मत कराने और बारिश के दौरान आवागमन सुचारु रखने की मांग की है।

बारिश ने नई समस्या नहीं बनाई, पुरानी बदहाली को उजागर किया-सोनहत के इन इलाकों में सामने आई समस्या को सिर्फ बारिश का परिणाम मानना पूरी तस्वीर नहीं होगी, बारिश ने वर्षों से मौजूद जर्जर सड़कों, टूटी पुलियों और लंबित निर्माण कार्यों की स्थिति को सामने ला दिया है,सामान्य मौसम में ग्रामीण इन रास्तों से किसी तरह गुजर जाते हैं, लेकिन बारिश शुरू होते ही वही सड़कें कीचड़ और दलदल में बदल जाती हैं और क्षतिग्रस्त पुल-पुलियां जोखिम बन जाती हैं,यही वजह है कि ग्रामीणों की मांग केवल बारिश के दौरान मुरुम डालने या अस्थायी मरम्मत तक सीमित नहीं है,वे स्थायी सड़क और पुल-पुलिया निर्माण की मांग कर रहे हैं।

सड़क खराब तो स्कूल,स्वास्थ्य और राशन...सब प्रभावित-वनांचल क्षेत्रों में सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं होती, यही सड़क ग्रामीणों को स्कूल,अस्पताल, बाजार,राशन दुकान और रोजगार के अवसरों से जोड़ती है,जब बारिश के कारण रास्ता बंद होता है या आवागमन बेहद मुश्किल हो जाता है,तो इसका असर पूरे ग्रामीण जीवन पर पड़ता है,विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चिंता ज्यादा है,सामान्य बीमारी से लेकर दुर्घटना और प्रसव जैसी आपात परिस्थितियों में समय पर अस्पताल पहुंचना जरूरी होता है,ऐसे में खराब सड़क और टूटी पुलिया किसी भी आपात स्थिति को और गंभीर बना सकती है।

हर बरसात में सामने आता है सवाल...स्थायी समाधान कब?-ग्रामीणों की शिकायतों में एक बात बार-बार सामने आती है कि बारिश हर साल आती है,समस्या भी हर साल सामने आती है,लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो पाता,कहीं वर्षों से पुल अधूरा या टूटा पड़ा है तो कहीं सड़क की हालत लगातार खराब है,बारिश में अस्थायी राहत के लिए मुरुम या मिट्टी डालने से कुछ समय के लिए आवागमन संभव हो सकता है,लेकिन अगली बारिश में समस्या फिर लौट आती है, गिधेर का मामला तो विशेष रूप से गंभीर है, जहां ग्रामीण करीब 12 वर्षों से पुल की समस्या झेलने की बात कह रहे हैं।

प्रशासन के सामने दोहरी चुनौती-मौजूदा बारिश के बीच प्रशासन के सामने तत्काल और स्थायी–दोनों स्तरों पर चुनौती है, तत्काल तौर पर उन रास्तों को चिन्हित करना जरूरी है जहां जलभराव या कीचड़ के कारण आवागमन बाधित है,संवेदनशील पुल-पुलियों और नदी-नालों पर निगरानी,जलनिकासी, मलबा हटाने और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था जरूरी है,दूसरी ओर गिधेर जैसे क्षेत्रों में वर्षों से लंबित पुल निर्माण और सेमरिया सहित अन्य स्थानों की क्षतिग्रस्त पुलियों का स्थायी समाधान जरूरी है।

ग्रामीणों की मांग...बारिश खत्म होने का इंतजार नहीं,अभी शुरू हो काम-प्रभावित ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल राहत की मांग की है,उनका कहना है कि जहां सड़क पर अत्यधिक कीचड़ और गड्ढे हैं,वहां तत्काल सुधार कराया जाए,जलभराव वाले हिस्सों में पानी निकासी की व्यवस्था की जाए और ऐसे मार्गों को चिह्नित किया जाए जहां आपात स्थिति में वैकल्पिक आवागमन उपलब्ध कराया जा सके,इसके साथ ही गिधेर के पुल सहित वर्षों से लंबित पुल-पुलियों और सड़कों के स्थायी निर्माण एवं मरम्मत को प्राथमिकता देने की मांग की गई है,ग्रामीणों का कहना है कि समस्या का समाधान सिर्फ एक बारिश निकालने तक नहीं होना चाहिए,सड़क और पुल-पुलिया जैसी बुनियादी सुविधाओं का स्थायी निर्माण ही वह रास्ता है,जिससे हर बरसात में वनांचल के गांवों का संपर्क टूटने की समस्या खत्म हो सकती है, सोनहत के वनांचल में इस समय बारिश सिर्फ पानी नहीं बरसा रही,बल्कि वर्षों से लंबित बुनियादी सुविधाओं की हकीकत भी सामने ला रही है।

बिहारपुर से ओड़गी तक स्वास्थ्य केंद्रों की हकीकत पर सीएमएचओ की नजर,औचक निरीक्षण में दिया सख्त निर्देश

दवाइयों,जांच,साफ-सफाई और मरीजों की सुविधाओं का लिया जायजा,राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की लक्ष्यवार समीक्षा,शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने कहा

-संवाददाता-

सूरजपुर,26 सितम्बर 2026 (घटती-घटना)। जिले के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति को परखने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार सिंह ने बिहारपुर क्षेत्र से लेकर ओड़गी तक स्वास्थ्य संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया,उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर महुली,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओड़गी पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं, उपलब्ध सुविधाओं और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध आवश्यक दवाइयों, जांच सुविधाओं,साफ-सफाई, अभिलेखों तथा मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति देखी, उन्होंने अधिकारियों और कर्म चारियों से स्वास्थ्य संस्थानों में संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर महुली (निरीक्षण के दौरान)

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर (निरीक्षण के दौरान)

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओड़गी (निरीक्षण के दौरान)

दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर जोर-बिहारपुर क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान डॉ. प्रशांत कुमार सिंह ने स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों से स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन और क्षेत्र में चल रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी ली,उन्होंने कहा कि दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं नियमित रूप से पहुंचाना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है,ऐसे क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्र आम लोगों के लिए उपचार और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी सेवाओं का महत्वपूर्ण आधार हैं,इसलिए उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए मरीजों को समय पर उपचार और आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए,सीएमएचओ ने स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार करने पर भी विशेष जोर दिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत बुनियादी सुविधाओं पर नजर- निरीक्षण के दौरान सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, सीएमएचओ ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों को शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं और उपलब्ध सेवाओं का वास्तविक लाभ मिलना चाहिए, इसके लिए स्वास्थ्य कर्मचारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा, उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों की नियमित व्यवस्था,दवाइयों की उपलब्धता,जांच सुविधाओं और साफ-सफाई को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

सुरक्षित मातृत्व अभियान को प्रभावी बनाने पर जोर-सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की गतिविधियों की भी समीक्षा की गई,सीएमएचओ ने गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य जांच,आवश्यक परामर्श और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है,उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने और पात्र महिलाओं को समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सायंकाल ओड़गी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे सीएमएचओ-बिहारपुर क्षेत्र के निरीक्षण के बाद सीएमएचओ डॉ. प्रशांत कुमार सिंह ने सायंकाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओड़गी का भी औचक निरीक्षण किया, उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों और कक्षों का निरीक्षण कर वहां संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया, निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं को देखा गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए,ओड़गी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सीएमएचओ ने विशेष रूप से राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की लक्ष्यवार समीक्षा की, उन्होंने कार्यक्रम प्रभारियों, सलाहकारों और पर्यवेक्षकों से निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले अब तक हासिल की गई उपलब्धियों की जानकारी ली।

लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धियों की ली जानकारी-राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछा गया कि उन्हें जो लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, उनके मुकाबले अब तक कितनी उपलब्धि हासिल की गई है,सीएमएचओ ने सभी कार्यक्रम प्रभारियों और संबंधित कर्मचारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए,उन्होंने शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि योजनाओं और स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभाव तभी दिखाई देगा,जब उनका लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचे,उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने कार्यक्रमों की नियमित निगरानी करने और जहां लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं हो रही है, वहां विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

अस्पताल की व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी-सीएमएचओ के लगातार आकस्मिक निरीक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों की व्यवस्थाओं को जमीनी स्तर पर परखना और कमियों को समय रहते दूर करना है,बिहारपुर जैसे दूरस्थ क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को लेकर निरीक्षण के दौरान दवाइयों,जांच,साफ-सफाई,अभिलेख और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की स्थिति देखी गई,वहीं ओड़गी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति को लक्ष्य के आधार पर परखा गया,इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि स्वास्थ्य सेवाओं में केवल लक्ष्य निर्धारित करना पर्याप्त नहीं है,बल्कि लक्षित सेवाओं की वास्तविक उपलब्धता और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन भी जरूरी है।

अधिकारियों-कर्मचारियों की रही मौजूदगी-निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप नामदेव,खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.बंटी बैरागी, प्रभारी अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं स्वास्थ्य केंद्र का स्टाफ उपस्थित रहा,सीएमएचओ ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता और संवेदन शीलता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना विभाग की जिम्मेदारी है और इसके लिए स्वास्थ्य संस्थानों की व्यवस्था तथा राष्ट्रीय कार्यक्रमों की प्रगति पर लगातार नजर रखी जानी चाहिए,बिहारपुर से ओड़गी तक हुए इस आकस्मिक निरीक्षण में एक ओर जहां मरीजों को मिलने वाली बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं को केंद्र में रखा गया, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की लक्ष्यवार प्रगति को लेकर भी अधिकारियों से जवाबदेही तय करने का संदेश दिया गया।

CMYK

जख्मी चेहरा,और आंखों में गुस्सा,लव एंड वॉर से विक्की कौशल का पहला लुक आया सामने

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म लव एंड वॉर से आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के बाद अब विक्की कौशल का पहला लुक सामने आ चुका है। ये फिल्म 21 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।संजय लीला भंसाली की मोस्ट अवेटेड फिल्म लव एंड वॉर से रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का पहला लुक शेयर करने के बाद मेकर्स ने अब एक खास विंटेज-स्टाइल पोस्टर के जरिए विक्की कौशल का पहला लुक भी जारी कर दिया है। इस पोस्टर में विक्की विंटेज हेयरकट और मूंछों में नजर आ रहे हैं। वे एक लाइटर से सिगरेट जलाते दिख रहे हैं। इस पोस्टर में एक्टर का जख्मी चेहरा, हाथ में सिगरेट और आंखों में गुस्सा साफ देखने को मिल रहा है। विक्की कौशल का यह नया अंदाज लोगों को बहुत पसंद आ रहा है।

लव एंड वॉर से विक्की कौशल का पहला लुक

पोस्टर शेयर करते हुए एक्टर विक्की कौशल ने कैप्शन में लिखा,नजरें मिलेंगी,लेकिन हटेंगी नहीं! पोस्टर में फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है। लव एंड वॉर 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह पोस्टर देखते ही देखते वायरल हो गया, जिसके कमेंट बॉक्स में आलिया भट्ट ने फायर इमोजी कमेंट किया। एक्ट्रेस सोनम कपूर ने भी ताली बजाने वाले इमोजी के साथ इस पोस्ट पर रिएक्शन दिया है।

रणबीर-आलिया का लव एंड वॉर से फर्स्ट लुक

गुरुवार को मेकर्स ने रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया। इसमें एक्टर एक विंटेज स्पोर्ट्स कार की ड्राइवर सीट पर बैठे नजर आए और उनके हाथ पर गोली का जख्म भी दिख रहा था। इसी तरह शुक्रवार को मेकर्स ने आलिया भट्ट का फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी किया। इसमें एक्ट्रेस लाल कपड़ों में नजर आई और बैकग्राउंड का माहौल 1960 और 1970 के दशक की फिल्मों में दिखाए जाने वाले रेट्रो कैबरे गानों की याद दिलाता है। हालांकि, उनके किरदारों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह फिल्म एक रोमांटिक वॉर ड्रामा है। लव एंड वॉर 21 जनवरी 2027 को दुनिया भर में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

आलिया-रणबीर की साथ में दूसरी फिल्म

जनवरी 2024 में पहली बार अनाउंस की गई लव एंड वॉर के बाद कपल की यह दूसरी फिल्म है। इसके पहले आलिया भट्ट और रणबीर कपूर अयान मुखर्जी की ब्रह्मास्त्र में नजर आए थे। वहीं लव एंड वॉर विक्की कौशल का फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के साथ पहला कोलैबोरेशन है। लव एंड वॉर को 425 करोड़ रुपये के बजट में बनाया जा रहा है। कुछ महीने पहले वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फिल्म के तीनों मुख्य कलाकारों ने इसके लिए कोई फीस नहीं ली है।

पहले दिन ही द वन ने छापे 8 करोड़,सिद्धार्थ मल्होत्रा-तमन्ना भाटिया की फिल्म ने की शानदार ओपनिंग

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की द वन ने भारत में अपनी रिलीज के पहले दिन 8 करोड़ रुपये की कमाई की। दीपक कुमार मिश्रा के निर्देशन में बनी यह सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म बॉलीवुड में उनके निर्देशन की शुरुआत है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की फिल्म द वन : फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट शुक्रवार,25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। भारतीय लोककथाओं पर आधारित इस फिल्म को रिलीज के बाद दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। परमानेंट रूममेट्स और पंचायत जैसे शो के लिए मशहूर दीपक कुमार मिश्रा ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। द वन के साथ उन्होंने बॉलीवुड में बतौर निर्देशक डेब्यू किया है। इंडिया टीवी ने द वन को 5 में से 3 स्टार दिए हैं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन अच्छी कमाई की।

द वन का पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

द वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट के पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ चुका है, जो उम्मीद से काफी अच्छा है। सैकनिल्क के अनुसार द वन ने भारत में पहले दिन 6,746 शो से 8 करोड़ रुपये की कमाई की। भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन लगभग 9.60 करोड़ रुपये रहा। हालांकि,फिल्म की कुल बॉक्स ऑफिस सफलता वीकेंड की कमाई और आने वाले दिनों में इसके प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।

द वन की कुल ऑक्यूपेंसी

द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट के हिंदी 2 डी वर्शन ने पहले दिन कुल 28.25 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी दर्ज की। ओपनिंग डे पर सबसे ज्यादा ऑक्यूपेंसी नाइट शो में देखी गई। नाइट स्क्रीनिंग में 41.46 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी रही। शाम के शो में 26.08 प्रतिशत और दोपहर की स्क्रीनिंग में 24.00 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई। सुबह के शो में 12.23त्न ऑक्यूपेंसी रही। फिल्म के पहले दिन देश भर में 6,746 शो हुए। पहले दिन के आखिर तक इसका इंडिया नेट कलेक्शन 8.00 करोड़ रहा।

द वन की कहानी

यह फिल्म एक रहस्यमयी सुपरनैचुरल थ्रिलर है, जिसमें लोककथा,फैंटेसी और ड्रामा का मिश्रण है। द वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की कहानी सिद्धार्थ और तमन्ना पर हैं। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा ने ऋषि का किरदार निभाया है, जो शहर में पला-बढ़ा एक समझदार व्यक्ति है। वह अपनी पत्नी ममता के साथ बिहार में अपने पुश्तैनी गांव लौटता है। फिल्म में ममता का किरदार तमन्ना भाटिया ने निभाया है। ऋषि अपने परिवार से मिली जमीन को बेचने के लिए वापस आता है। उसका यह दौरा छठ पूजा के समय ही होता है। हालांकि,गांव में एक वर्जित जंगल से जुड़ी मान्यताओं के बारे में पता चलने पर उसके इरादे बदल जाते हैं। जंगल को लेकर गांव वालों की कड़ी चेतावनियां हैं। सूरज डूबने के बाद किसी को भी वहां जाने की इजाजत नहीं है। ऋषि उनकी मान्यताओं को नहीं मानता और इसके बजाय सुनील ग्रोवर के किरदार दीपक का साथ देता है।

सिर्फ टी-शर्ट पहनना काफी नहीं,प्रीति जिंटा को लेकर तुकाराम मुंडे का बयान

महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त तुकाराम मुंढे इन दिनों खाद्य सुरक्षा और मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को लेकर चर्चा में हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने हाल ही में टीम तुकाराम मुंढे लिखी काली टी-शर्ट पहनकर उनके काम का समर्थन किया था। अब मुंढे ने अभिनेत्री के इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि केवल टी-शर्ट पहनना पर्याप्त नहीं है,बल्कि इसके पीछे की सोच को वास्तविक काम में बदलना भी जरूरी है। प्रीति जिंटा की टी-शर्ट के बारे में पूछे जाने पर मुंढे ने साफ किया कि उनकी अभिनेत्री से न तो व्यक्तिगत मुलाकात हुई है और न ही फोन पर बातचीत हुई है। हालांकि उन्होंने टीम तुकाराम मुंढे का उल्लेख करने के लिए प्रीति का आभार जताया। प्रीति ने इस टी-शर्ट के जरिए मुंढे के काम की सराहना की थी। अभिनेत्री ने कहा था कि ऐसे लोगों को सम्मान देने और उनके काम को सामने लाने का समय है। उनकी टीम तुकाराम मुंढे टी-शर्ट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आई थीं।

खेल-समाचार

प्राची चौधरी ने भारत के लिए जीता एशियन गेम्स में 30वां मेडल

400 मीटर रेस में यूपी की बेटी का कमाल

नागोया,26 सितम्बर 2026। भारत की प्राची चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की महिला 400 मीटर दौड़ के फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। वह 53.21 सेकंड का समय निकालकर तीसरे नंबर पर रहीं। बहरीन की सलवा नासेर ने 49.20 सेकंड में रेस पूरी करके एकतरफा गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने इस दौरान एशियन गेम्स का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। ईरान की जहरा जारेई मनौजान ने 52.38 सेकंड के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया।

एशियन गेम्स 2026 में भारत के 30 मेडल हुए

यूपी के सहारनपुर की 29 साल की प्राची चौधरी का यह मेडल एशियन गेम्स 2026 में भारत का 30वां मेडल है। अभी तक भारत के खाता में 4 गोल्ड के अलावा 12 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज मेडल आए हैं। महिलाओं की 400 मीटर रेस में प्राची के साथ किरण पहल भी थीं। 53.41 सेकंड का समय लेकर किरण को 5वें स्थान से संतोष करना पड़ा।

पुरुष 400 मीटर रेस में नहीं मिला मेडल

महिलाओं की 400 मीटर रेस के फाइनल के बाद पुरुषों के 400 मीटर का फाइनल हुआ। इसमें भारत के विशाल टीके उतरे। वह मेडल नहीं जीत पाए। विशाल ने 45.48 सेकंड में रेस पूरी की। वह 8 रेसर में 5वें नंबर पर रहे। थाईलैंड के जोशुआ एटकिंसन ने इस इवेंट का गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 44.90 सेकंड में रेस पूरी की। यूएई के सुलेमान अब्दुलरहमान को सिल्वर और जापान के युकी जोसेफ नाकाजिमा को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कबड्डी टीम को दी बधाई

नई दिल्ली,26 सितम्बर 2026। एशियाई खेल 2026 में भारतीय कबड्डी टीमों के शानदार प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पुरुष टीम को स्वर्ण पदक जीतने और अपना खिताब बरकरार रखने पर बधाई दी है। राष्ट्रपति ने पुरुष और महिला दोनों टीमों के स्वर्ण पदक जीतने को भारत के लिए खास उपलब्धि बताते हुए 'गोल्डन स्वीप' की सराहना की। उन्होंने इस दोहरी सफलता के पीछे खिलाड़ियों के कौशल, संयम, मजबूती और टीमवर्क को अहम बताया। शनिवार को खेले गए पुरुष कबड्डी के फाइनल में भारत ने ईरान को 40-34 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई खेलों में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। मुकाबला शुरुआत से ही कड़ा रहा और ईरान ने भारतीय टीम को कड़ी चुनौती दी, लेकिन दूसरे हाफ में भारत ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।भारत की इस जीत के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर भारतीय पुरुष कबड्डी टीम को बधाई दी। उन्होंने महिला टीम की स्वर्णिम सफलता का भी उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों टीमों की उपलब्धि खिलाड़ियों के कौशल, संयम,मजबूती और बेहतरीन टीमवर्क को दर्शाती है।

भारत-वेस्टइंडीज मैच आज

नई दिल्ली,26 सितम्बर 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम में होने वाले पहले वनडे मुकाबले में उतरते ही कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने की स्थिति में होंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में कोहली के सामने सबसे बड़ा लक्ष्य 15,000 वनडे रन पूरे करना होगा। वह इस ऐतिहासिक आंकड़े से महज 59 रन दूर हैं।भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला वनडे 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। कोहली के लिए यह मुकाबला इसलिए खास है क्योंकि वह लंबे समय बाद वनडे क्रिकेट में मैदान पर नजर आएंगे और उनके सामने व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ टीम के लिए योगदान देने का भी मौका होगा।कोहली ने अब तक 314 वनडे मैचों की 302 पारियों में 58.59 की औसत से 14,941 रन बनाए हैं। उनके नाम वनडे क्रिकेट में 54 शतक और 79 अर्धशतक दर्ज हैं। 15,000 रन पूरे करते ही वह सचिन तेंदुलकर के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे।

भारतीय टीम की क्वार्टर फाइनल में होगी अफगानिस्तान से भिड़ंत

नागोया,26 सितम्बर 2026। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय टीम का क्वार्टर फाइनल में सामना अफगानिस्तान की टीम से होगा, जिसमें दोनों टीमों के बीच में यह मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा। जापान के आइची नागोया में चल रहे एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट इवेंट की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें अभी ग्रूप स्टेज के मैच खेले जा रहे हैं वहीं भारतीय टीम अपना पहला मैच 28 सितंबर को क्वार्टर फाइनल मुकाबले के तौर पर खेलेगी, जिसमें उसका सामना किस टीम से होगा इसका फैसला हो गया है। भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल मैच में ग्रुप-ए दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम का सामना करना था, जिसमें अब यह तय हो गया और अफगानिस्तान की टीम से उनकी भिड़ंत होगी। अफगानिस्तान ने ग्रुप-ए में दो मुकाबले खेले जिसमें से एक को वह जीतने में कामयाब रहे तो वहीं एक में उनको हार का सामना करना पड़ा। भारत और अफगानिस्तान की टीम के बीच में क्वार्टर फाइनल मैच में 28 सितंबर को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे से खेला जाएगा।

भारतीय टीम की नजरें गोल्ड मेडल जीतने पर

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एशियन गेम्स में हिस्सा लेने पहुंची भारतीय टीम वहां काफी पहले ही पहुंच गई थी, जिससे परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढाला जा सके। टीम इंडिया ने मेजबान जापान के खिलाफ भी एक टी20 मुकाबला खेला लेकिन बारिश के खलल की वजह से वह 5-5 ओवर्स का हुआ था, जिसको टीम इंडिया ने अपने नाम किया था। वहीं अब एशियन गेम्स 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम अपने अभियान का आगाज 28 सितंबर को सीधे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगी। टीम इंडिया पिछली बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने में कामयाब रही थी और इस बार भी उनकी नजरें इसी प्रदर्शन को दोहराने पर रहने वाली हैं। वहीं अफगानिस्तान को लेकर बात की जाए तो ग्रुप-ए में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिसमें नेपाल की टीम के खिलाफ मैच में उनको 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

नेपाल का होगा श्रीलंका की टीम से सामना

ग्रूप-ए में टॉप पर खत्म करने वाली नेपाल की टीम ने क्वार्टर फाइनल का टिकट भी हासिल कर लिया है, जिसमें अब उनकी भिड़ंत 29 सितंबर को श्रीलंका की टीम से होगी। वहीं अभी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली दो टीमों का फैसला होना बाकी है, जिसका फैसला ग्रूप-बी से होगा जिसमें टॉप पर रहने वाली टीम क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश का सामना करेगी तो वहीं दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम का क्वार्टर फाइनल में सामना पाकिस्तानी टीम से होगा।

भारतीय सेना के जवान सावन बरवाल ने एशियन गेम्स में रचा इतिहास

नागोया,26 सितम्बर 2026।जापान के आइची नागोया में चल रहे एशियन गेम्स 2026 में 26 सितंबर के दिन की शुरुआत भारत के लिए काफी ऐतिहासिक रही, जिसमें भारतीय सेना में जवान सावन बरवाल ने मैराथन में सिल्वर मेडल को अपने नाम किया। सावन ने पुरुष मैराथन में सिल्वर मेडल जीतने के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड भी बना दिया। वहीं इसके अलावा भारत के लिए एशियन गेम्स में पुरुष मैराथन के इवेंट में 44 साल बाद पहला पदक है। भारत ने पिछली बार मैराथन में एशियन गेम्स में पदक साल 1982 के एशियाई खेलों में जीता था। सेना के 28 वर्ष के खिलाड़ी बरवाल ने दो घंटे 11 मिनट 37 सेकंड में 42.195 किलोमीटर की मैराथन पूरी की करने के साथ सिल्वर मेडल को अपने नाम किया।

सावन सिर्फ 48 सेकेंड से गोल्ड जीतने से चूके

मैराथन के इवेंट में सावन बरवाल ने जहां सिल्वर मेडल अपने नाम किया तो वहीं इस इवेंट में गोल्ड मेडल जापान के इचिताका यामाशिता ने जीता जिन्होंने सावन से 48 सेकेंड पहले यह मैराथन पूरी की वहीं चीन के पेइयू फेंग दो घंटे 12 मिनट 13 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। एशियाई खेलों में मैराथन में इससे पहले साल 1982 में दिल्ली में होसुर कुक्काप्पा सीतारन ने भारत को कांस्य पदक दिलाया था। बरवाल एशियाई खेलों में मैराथन में मेडल जीतने वाले चौथे भारतीय भी बन गए। इससे पहले दिल्ली में साल 1951 में पहले एशियाई खेलों में छोटा सिंह ने स्वर्ण और सूरत सिंह माथुर ने कांस्य पदक जीता था। बरवाल ने 5000 मीटर, 10000 मीटर और हाफ मैराथन दौड़ने के बाद इसी साल मैराथन में पदार्पण किया था। अप्रैल में बरवाल ने रॉटरडम में एनएन मैराथन में शिवनाथ सिंह का 48 साल पुराना दो घंटे 11 मिनट 58 सेकेंड का नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था।

सीएसके का हेड कोच बनना सम्मान की बात :ज़हीर खान

नई दिल्ली,26 सितम्बर 2026। चेन्नई सुपर किंग्स के नए हेड कोच ज़हीर खान ने कहा कि पांच बार की इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन टीम की कमान संभालना एक सम्मान की बात है, जिसके साथ बड़ी ज़िम्मेदारी भी आती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा कोच स्टीफन फ्लेमिंग की जगह लेना उनके लिए रोमांचक और चुनौतीपूर्ण काम होगा। भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ ज़हीर को सोमवार को आईपीएल 2027 के लिए सीएसके का नया हेड कोच नियुक्त किया गया। उनका पहला काम इस साल दिसंबर में गोवा में होने वाले मिनी ऑक्शन के लिए रणनीति बनाना होगा। ज़हीर ने फ्रेंचाइजी के आधिकारिक चैनल पर कहा,मुझे अभी भी यह एहसास हो रहा है। फैंस और शुभचिंतक मुझे बहुत प्यार और स्नेह दे रहे हैं...मैं अपने क्रिकेट करियर के इस खास अध्याय का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ। यह बहुत संतोषजनक भी है और साथ ही ज़िम्मेदारियों का दबाव भी महसूस हो रहा है।

न्यायालय-डी0एस0बघेल,प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी सूरजपुर

ईश्तहार

प्रोसेस नम्बर - 387/26
उ0प्र0क्र0 - 45/2026
पेशी तिथि - 26/10/2026

सुमित्रा पैकरा, आ. स्व. सरदार साय, उम्र 58 वर्ष, निवासी गोविन्दपुर, थाना विश्रामपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) .....**आवेदिकागण**

प्रति,
1. श्रीमती कैलाशो बेवा अमर सिंह, उम्र लगभग 58 वर्ष,
2.अमित पैकरा,आ स्व.अमर सिंह उम्र लगभग 32 वर्ष,
3.अम्बर पैकरा आ. स्व. अमर सिंह, उम्र लगभग 26 वर्ष,
4.अभिषेक पैकरा आ. स्व. अमर सिंह, उम्र 23 वर्ष,
सभी निवासी ग्राम गोविन्दपुर, थाना व तहसील विश्रामपुर,जिला सूरजपुर (छ0ग0)
5 जयश्री पैकरा आ. स्व. अमर सिंह, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम छिंदिया,ग्राम पंचायत छिंदिया लब्जी श्रीनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0)
6. सोनम पैकरा आ. स्व. अमर सिंह, उम्र लगभग 29 वर्ष,निवासी ग्राम भटगांव शांतिपारा वार्ड नं- 03, थाना व तहसील भटगांव, जिला सूरजपुर (छ0ग0)
7. शाखा प्रबंधक, छ.ग. राज्य ग्रामीण बैंक शाखा कुम्दा जिला सूरजपुर (छ0ग0)
8. शाखा प्रबंधक,सेन्ट्रल बैंक,शाखा विश्रामपुर (सतपता),जिला सूरजपुर (छ0ग0)
9. शाखा प्रबंधक,स्टेट बैंक इंडिया शाखा विश्रामपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)
10. सब एरिया मैनेजर,महाप्रबंधक कार्यालय एस.ई.सी.एल. विश्रामपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

...**अनावेदकगण**

बनाम-

इस ईश्तहार के जरिये अनावेदकगण व आम जनता सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका के बड़े भाई एवं अनावेदकगण क्र. 01 के पति एवं अनावेदकगण क्र0-02 से 06 के पिता **स्व. अमर सिंह** पिता स्व. सरदार साय की मृत्यु दिनांक **10.03.2026** को हो चुकी है। आवेदिका के बड़े भाई **स्व. अमर सिंह** पिता स्व. सरदार साय की मृत्यु के पश्चात् उसके उत्तराधिकारी, आवेदिका हैं, जो इस न्यायालय में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र बावत् आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भा0 उत्तराधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्रस्तुत किये हैं। आवेदिका के बड़े भाई **स्व. अमर सिंह** पिता स्व. सरदार साय की मृत्यु के पश्चात् **स्व. अमर सिंह** पिता स्व. सरदार साय के नाम से अनावेदकगण क्रमांक 07 से 08 के पास जमा धनराशि,ब्याज सहित प्राप्त करने हेतु,उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की आवश्यकता,आवेदिका को है,आवेदिका के बड़े भाई **स्व. अमर सिंह** पिता स्व. सरदार साय, निवासी गोविन्दपुर, थाना विश्रामपुर, जिला- सूरजपुर (छ0ग0) की मृत्यु के पश्चात् प्रथम उत्तराधिकारी आवेदिका ही हैं।

यदि कोई व्यक्ति कोई दावा या हक रखते हैं,तो मय कैफियत के साथ **पेशी दिनांक 26.10. 2028** को दिन के ठीक 11:00 बजे इस न्यायालय में स्वतः अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हों।

अतः आप,बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होते हैं,तो,आपके विरुद्ध,प्रकरण का निपटारा आपके अनुपस्थिति में किया जायेगा। यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है या कार्य दिवस स्थगित हो जाता है, तो प्रकरण की सुनवाई आगामी तिथि को किया जावेगा।

आज दिनांक 18/09/2026 को इस न्यायालय कि मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

स्थान- सूरजपुर
दिनांक- 18/09/2026

सील

(डी0एस0 बघेल)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी
सूरजपुर,जिला सूरजपुर (छ.ग)

कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज

प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत भी होंगे शामिल,नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के बंगले पर जुटेंगे

रायपुर,26 सितम्बर 2026। रायपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज होगी। बैठक रात 8 बजे नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के बंगले पर बुलाई गई है। इसमें प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत भी मौजूद रहेंगे। सुखदेव भगत दौरे के पहले ही दिन विधायक दल की बैठक रखी गई है। बैठक में प्रदेश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत आज पहली बार छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं। वे दोपहर 2:25 बजे एयर इंडिया की फ्लाइट से रायपुर पहुंचेंगे।

एयरपोर्ट से सीधे राजीव भवन जाएंगे। यहां शाम 5:30 बजे उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। इसके बाद शाम 6:30 बजे राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में शामिल होंगे। रात 8 बजे कांग्रेस विधायकों के साथ डिनर मीटिंग प्रस्तावित है। बैठक की जगह कांग्रेस विधायक दल तय करेगा।

दूसरे दिन संगठन के नेताओं के साथ लगातार बैठकें : 28 सितंबर को भगत का पूरा दिन संगठनात्मक बैठकों में रहेगा। सुबह 10 बजे पीसीसी कार्यालय के पदाधिकारियों के साथ बैठक होगी। इसके बाद सुबह 11:30 बजे कनेक्ट सेंटर की टीम के साथ बैठक प्रस्तावित है। दोपहर 2 से 3:30 बजे तक वे एआईसीसी के निर्देश पर जिला कलेक्टोरेट तक होने वाले विरोध मार्च में शामिल होंगे।

इसके बाद शाम 4 बजे फ्रंटल संगठनों के प्रमुखों के साथ बैठक होगी। शाम 5 से 6:45 बजे तक अनुशासन समिति के साथ बैठक प्रस्तावित है। इसके बाद रात 7 बजे वे एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। रात 9:30 बजे इंडिगो की फ्लाइट से दिल्ली रवाना होने का कार्यक्रम है।

संगठन को समझने और फीडबैक लेने पर फोकस

प्रदेश प्रभारी के तौर पर भगत के पहले दौरे में संगठन से जुड़े नेताओं और अलग-अलग समितियों के साथ बैठकें रखी गई हैं। राजनीतिक मामलों की समिति, विधायक दल,पीसीसी पदाधिकारी,फ्रंटल संगठन,कनेक्ट सेंटर और अनुशासन समिति के साथ उनकी बैठक होगी। दौरे के दौरान वे प्रदेश कांग्रेस संगठन की स्थिति,पार्टी की गतिविधियों और जमीनी स्तर पर संगठन के कामकाज को लेकर नेताओं से फीडबैक ले सकते हैं। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद छत्तीसगढ़ में यह उनका पहला दौरा है,इसलिए संगठन के स्तर पर इसे अहम माना जा रहा है।

बिलासपुर हिंसा का मुख्य आरोपी रामसिंह ठाकुर मध्यप्रदेश से गिरफ्तार

बिलासपुर,26 सितम्बर 2026। बिलासपुर हिंसा के मुख्य आरोपी हिंदूवादी नेता राम सिंह ठाकुर को पुलिस ने मध्यप्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, 28 अगस्त की रात दो पक्षों में विवाद हुआ था,जो बाद में सामुदायिक हिंसा में बदल गया। इस दौरान पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। टीआई का सिर फट गया था। गाड़ियों,घरों और दुकानों में भी तोड़फोड़ की गई थी। राम सिंह ठाकुर इस मामले में एक पक्ष का आरोपी है। वह मध्यप्रदेश के पन्ना में अपने दोस्त के घर छिपा था। फरारी के दौरान वह बागेश्वर धाम दर्शन करने भी गया था। शुक्रवार को पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में अब तक दोनों पक्षों के 30 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तारी के बाद शनिवार को उसे कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से जेल ले जाते समय पुलिस ने सुरक्षा घेरा मजबूत रखा। जेल पहुंचते ही आरोपी के समर्थक भी बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए और नारेबाजी की। 28 अगस्त को सिटी कोतवाली क्षेत्र के खपरगंज में हुए विवाद के दौरान दोनों पक्षों पर हिंसा भड़काने का आरोप है। पुलिस ने भीड़ को

नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े थे। तनाव की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने धारा 144 लागू की थी। पुलिस ने इस घटना के बाद दोनों पक्षों के करीब 100 लोगों को आरोपी बनाने का दावा किया। इसके साथ ही दोनों पक्षों के खिलाफ हिंसा,जानलेवा हमला जैसे गंभीर धाराओं में केस दर्ज की। इसके बाद से लगातार आरोपियों की धरपकड़ की जाती रही। एक पक्ष के मुख्य आरोपी सोहेल खान सहित 15 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं,दूसरे पक्ष के भी दर्जन भर आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

घरेलू हिंसा में पति ही नहीं रिश्तेदार भी आरोपी...

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बहू और मायके पक्ष की याचिका खारिज की

बिलासपुर,26 सितम्बर 2026। घरेलू हिंसा के मामलों में आरोपी सिर्फ पति ही हो, ऐसा जरूरी नहीं है। परिवार के बाकी सदस्य और रिश्तेदार भी शिकायत में आरोपी बनाए जा सकते हैं।' छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बहू और उसके मायके पक्ष के रिश्तेदारों की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की है। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच ने कहा कि,किसी व्यक्ति को घरेलू हिंसा के मामले से शुरुआती स्तर पर केवल इस आधार पर बाहर नहीं किया जा सकता कि,वह शिकायतकर्ता के साथ एक ही घर में नहीं रहता है। साझा घर में रहने और पारिवारिक रिश्तों से जुड़े विवादों में आरोपों की वास्तविकता साक्ष्यों और गवाहों की जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। इसलिए इस स्तर पर कार्यवाही खत्म करना उचित नहीं है। दरअसल,रायपुर निवासी निर्मला अग्निवंशी और उनकी बेटी श्रुति अग्निवंशी ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा 12 के तहत निचली अदालत में शिकायत की थी। शिकायत में उनकी बहू अनीशा अग्निवंशी के साथ उसके मायके पक्ष के सुषमा सिंह,अभिषेक सिंह, अविनाश सिंह, अंजू सिंह और अलका सिंह को भी पक्षकार बनाया गया था। शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि,बहू और उसके मायके पक्ष के लोग उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने मानसिक प्रताड़ना देने और उन्हें परिवार से अलग करने के लिए दबाव बनाने के आरोप भी लगाए। बहू और उसके परिजनों की ओर से अदालत में तर्क दिया गया कि वे शिकायतकर्ताओं के साथ साझा घर में नहीं रहते हैं। ऐसे में उनके खिलाफ घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत कार्यवाही नहीं की जा सकती। निचली अदालत ने यह तर्क स्वीकार नहीं किया। इसके बाद सत्र न्यायालय में भी उन्हें राहत नहीं मिली।

महादेव-घाट में जलस्तर बढ़ने से गणेश मूर्ति विसर्जन पर रोक

कुंड में अब तक 3380 से अधिक प्रतिमाएं विसर्जित,बरसते पानी में विदाई देने पहुंचे श्रद्धालु

रायपुर,26 सितम्बर 2026। रायपुर के महादेव घाट स्थित विसर्जन तालाब स्थल पर खारुन नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण लोगों की सुरक्षा के चलते प्रशासन ने गणेश मूर्ति विसर्जन पर फिलहाल रोक लगा दी है। अफसरों ने स्थिति सामान्य होते तक सहयोग करने की अपील की है। दरअसल,गुरुवार-शुक्रवार को दिनभर हुई बारिश के बीच भी श्रद्धालु उत्साह और आस्था के साथ महादेवघाट स्थित विसर्जन कुंड पहुंचे। नगर निगम रायपुर की ओर से बनाए गए विसर्जन कुंड में रात तक भगवान गणेश की 2900 छोटी और 480 बड़ी मूर्तियों का भक्त विसर्जन कर चुके हैं।

'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से गूंजा घाट

महादेवघाट के पास जोन क्रमांक 8 क्षेत्र में बनाए गए विसर्जन कुंड में सुबह से ही प्रतिमाएं लेकर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। बारिश के बावजूद भक्तों के उत्साह में कमी नहीं आई। श्रद्धालुओं ने पहले प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की। इसके बाद विधि-विधान से गणपति बप्पा को विदाई दी। विसर्जन के दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारे भी गूंजते रहे।

बारिश के बीच भी जारी रहा विसर्जन

नगर निगम ने प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए महादेवघाट के पास विशेष कुंड तैयार किया है। यहां श्रद्धालुओं को सीधे नदी में प्रतिमा विसर्जित करने के बजाय निर्धारित कुंड में विसर्जन की सुविधा दी जा रही है। छोटी और बड़ी प्रतिमाओं के अनुसार निगम की टीम व्यवस्था संभाल रही है। बारिश के बीच भी विसर्जन की प्रक्रिया लगातार चलती रही।

छत्तीसगढ़ की बेटी संजू देवी ने बढ़ाया देश-प्रदेश का गौरव : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ईरान को पराजित कर जीता स्वर्ण पदक

रायपुर,26 सितम्बर 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य एवं छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की निवासी सुसंजू देवी को फोन कर इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सुसंजू देवी से आत्मीय संवाद करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि उनकी इस उपलब्धि से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है। मुख्यमंत्री साय ने सुसंजू देवी से कहा कि आपने अपनी प्रतिभा,कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से न केवल छत्तीसगढ़,बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय महिला कबड्डी टीम की स्वर्णिम सफलता प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में छत्तीसगढ़ की बेटी की महत्वपूर्ण भागीदारी प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने

कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियां आज शिक्षा, खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परचम लहरा रही हैं। कोरबा की संजू देवी ने अपनी मेहनत और खेल कौशल के बल पर राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता प्रदेश के उन हजारों युवा खिलाड़ियों,विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है,जो खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने का सपना देख रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर,प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के गांवों,आदिवासी अंचलों और छोटे शहरों में मौजूद खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिले और वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें। उल्लेखनीय है कि जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में ईरान को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। भारतीय टीम की इस स्वर्णिम सफलता में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की सुसंजू देवी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुसंजू देवी भारतीय राष्ट्रीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य हैं।

गणेश विसर्जन के दौरान दो गुटों के बीच जमकर मारपीट...सरपंच पिता की मौत,गांव में तनाव का माहौल,पुलिस बल मौजूद

जांजगीर-चांपा,26 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ जांजगीर-चांपा जिले के पंतोरा चौकी के ग्राम गतवा में गणेश विसर्जन के लिए जा रहे ग्रामीणों के दो पक्षों में विवाद हो गया। मारपीट के दौरान सरपंच रोहित कश्यप के पिता ज्योत राम कश्यप की मौत हो गई।सूचना पर पुलिस टीम गांव पहुंची। मामले की जांच चल रही है। गतवा के सरपंच रोहित कश्यप और पूर्व सरपंच पति शिवप्रकाश कश्यप के बीच पुरानी रंजिश थी। शुक्रवार को रोहित कश्यप के मोहल्ले से डीजे पर नाचते-गाते ग्रामीण गणेश विसर्जन के लिए तालाब जा रहे थे। जुलूस में रोहित कश्यप का बेटा राहुल भी था। शिवप्रकाश कश्यप और उसका भाई संजय कश्यप भी साथ थे। पानी टंकी के पास स्कूल के नजदीक किसी बात पर विवाद

शुरू हुआ। विवाद मारपीट में बदल गया। झगड़े की खबर मिलने के तत्काल बाद सरपंच रोहित कश्यप और उसके पिता ज्योत राम कश्यप मौके पर पहुंचे। राहुल के साथ हो रही मारपीट में वे भी शामिल हो गए। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इसी दौरान धक्का-मुक्की में ज्योत राम कश्यप जमीन पर गिर पड़े और चोट लगने से उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बलौदा थाना प्रभारी मनोहर सिन्हा और पंतोरा चौकी प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे।

धमतरी में बारिश के बीच 3 हादसे,छात्र डूबा

गणेश विसर्जन के दौरान डूबे छात्र का शव मिला,छात्रा और रिटायर्ड वनकर्मी लापता

धमतरी,26 सितम्बर 2026। धमतरी जिले में लगातार बारिश के बाद तेज बहाव के कारण हुए अलग-अलग हादसों में एक छात्र की मौत हो गई,जबकि एक छात्रा और रिटायर्ड वनकर्मी लापता हैं। तीनों घटनाओं में पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। ग्राम माकरदोना के 15 वर्षीय हिमांशु कुमार शुक्रवार को गणेश विसर्जन के दौरान तालाब में डूब गए थे। घटना के बाद उनकी तलाश के लिए गोताखोरों को लगाया गया। शनिवार दोपहर गोताखोरों ने हिमांशु का शव बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। वहीं,मेघा गांव की 15 वर्षीय छात्रा तारनी निषाद हादसे का शिकार हो गईं। बताया गया कि वह पेट्रोल पंप के पास बाढ़ का पानी देखने गई थीं। इसी दौरान नाली में पैर फिसलने से वह तेज बहाव में बह गईं। घटना की सूचना के बाद एसडीआरएफ की टीम उनकी तलाश कर रही है। सिहावा क्षेत्र के सिरसिदा गांव निवासी 65 वर्षीय रिटायर्ड वनकर्मी बाबूलाल साहू भी लापता हैं। उनके मोबाइल,शॉल,डंडा और टॉवेल बालका नदी के किनारे मिले हैं। सामान मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें नदी क्षेत्र में उनकी तलाश कर रही हैं। लगातार बारिश के कारण जिले के कई नदी-नालों और जलाशयों में पानी बढ़ा हुआ है। प्रशासन और पुलिस की ओर से लोगों से तेज बहाव वाले नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की जा रही है।

राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ झीरम कांड के पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

रायपुर,26 सितम्बर 2026। लोकसभा में नेता-विपक्ष राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ झीरम नक्सल कांड के पीड़ित परिवारों ने मुलाकात की। इस दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं के साथ पीड़ित परिवारों के सदस्यों से कहा कि पूरा न्याय मिलने तक हमें एक इंच पीछे नहीं हटना है। हम लड़ेंगे! मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सुखदेव भगत,राष्ट्रीय

महासचिव भूपेश बघेल,नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत,पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव,पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज विशेष रूप से मौजूद रहे। वहीं झीरम पीड़ित परिवारों में उमेश पटेल,अनिता योगेंद्र शर्मा,जितेंद्र मुदलियार,शिव सिंह ठाकुर,छविंद्र कर्मा,मलकीत सिंह गैन्दू आदि शामिल रहे। राहुल गांधी के साथ मुलाकात को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आज 10 जनपथ, नई दिल्ली में हमारे नेता राहुल गांधी के साथ हम सबने झीरम घटना में हुए अन्याय, भाजपा और जाँच एजेंसियों के षड्यंत्र और इस लड़ाई को आगे ले जाने पर मंत्रणा की। राहुल ने सभी वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में झीरम शहीदों के परिवारजनों और घटना के समय उपस्थित साथियों से भी संवाद किया। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि पूरा न्याय मिलने तक हमें एक इंच पीछे नहीं हटना है।

कवर्धा में संकरी नदी में बहा पीएम आवास...

अरपा में बहे 2 बच्चे,रायपुर-जगदलपुर हाईवे बंद

रायपुर,26 सितम्बर 2026। छत्तीसगढ़ में करीब 36 घंटे हुई बारिश के बाद कई जगह हालात बिगड़े हुए हैं। कवर्धा जिले के अमरौड़ी गांव में संकरी नदी किनारे बना पीएम आवास तेज बहाव की चपेट में आकर पूरी तरह ढह गया और देखते ही देखते नदी में बह गया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। इधर रायपुर के कई रिहायशी इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। महादेवघाट पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। घाट किनारे बसे 120 परिवारों का रेस्क्यू किया गया है। इंद्रप्रस्थ कॉलोनी का पूरा इलाका पानी में डूब गया था। सुरक्षा के चलते यहां की बिजली काटी गई थी।

वहीं, बिलासपुर की अरपा नदी में गणेश विसर्जन के दौरान 2 बच्चे बह गए, जिनकी तलाश की जा रही है। दक्षिण छत्तीसगढ़ बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित है। जगदलपुर के चिवनी, भाटी और लालबाग इलाकों में बाढ़ से लोगों के घरों का राशन बह गया। 100 से ज्यादा प्रभावितों को राहत शिविर में रखा गया है। बस्तर में सड़कें डूबी हुई हैं। 6 ट्रेनें और एक फ्लाइट कैंसिल की गई हैं। रायपुर-जगदलपुर हाईवे बंद है, ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है।

अमरकंटक वाया जलेश्वर मार्ग पर पहाड़ का बड़ा हिस्सा धंसा

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में 24 घंटे से ज्यादा समय से मूसलाधार बारिश हो रही है। अमरकंटक को जोड़ने वाले सभी मुख्य रास्ते बंद हो गए हैं। अमरकंटक वाया जलेश्वर मार्ग पर पहाड़ का बड़ा हिस्सा धसक गया। बड़े पेड़ और मिट्टी सड़क पर आ जाने से आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। सड़क किनारे का हिस्सा भी मिट्टी कटने से बह गया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय और दुर्गाधारा होते हुए अमरकंटक जाने वाले रास्ते भी बंद हैं। पुलों पर पानी भरने और पेड़ गिरने से आवाजाही ठप है।

कवर्धा में संकरी नदी में बहा पीएम आवास : कवर्धा जिले के अमरौड़ी गांव में संकरी नदी किनारे बना प्रधानमंत्री आवास तेज बहाव की चपेट में आकर पूरी तरह ढह गया और देखते ही देखते नदी में बह गया। जानकारी के अनुसार,इस मकान में एक बुजुर्ग महिला रहती थी। बाढ़ का पानी मकान के करीब पहुंचने के अंदेशे पर उसे पहले ही खाली करा लिया गया था।

रायपुर-जगदलपुर मार्ग पर काकड़ी घाट पुल डूबने से हाईवे बंद : रायपुर-जगदलपुर मार्ग पर काकड़ी घाट पुल डूबने से हाईवे बंद है। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है। ये शाम 6 बजे की स्थिति है। इसी वजह से रूट डायवर्ट किया गया है।

बलौदाबाजार में बाढ़ का कहर! पुलिस और एसडीआरएफ ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन,28 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला

बलौदाबाजार,26 सितम्बर 2026। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच कई निचले इलाकों में बाढ़ और जलभराव की स्थिति बन गई है। ऐसे हालात में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की संयुक्त टीमें लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। शनिवार को सिमगा, गिधपुरी और लवन थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल 28 ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान गणेशपुर में फंसी 9 बकरियों का भी सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। थाना सिमगा क्षेत्र के ग्राम गणेशपुर में अचानक बाढ़ का पानी भर जाने से 11 ग्रामीण फंस गए थे। सूचना मिलते ही सिमगा पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम मोटर बोट एवं जीवन रक्षक उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने अभियान चलाकर सभी

11 ग्रामीणों को उनके जरूरी सामान और घर में मौजूद 9 बकरियों सहित सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें राहत शिविर पहुंचाया। थाना गिधपुरी क्षेत्र के ग्राम बिजराडीह में लगातार बारिश के चलते निचले इलाकों में पानी भर गया। यहां 4 अलग-अलग परिवारों के 17 लोग, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे, बाढ़ के पानी में फंस गए। सूचना मिलने पर गिधपुरी पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर सभी 17 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। थाना लवन क्षेत्र के ग्राम डोंगरीडीह में जलस्तर बढ़ने से कई ग्रामीण बाढ़ के पानी के बीच फंस गए थे। सूचना मिलते ही लवन पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तत्परता से कार्रवाई करते हुए प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)